INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-193 | सांध्य दैनिक | मथुरा, सोमवार, 7 सितंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

गणेश प्रतिमाओं पर प्रदूषण का साया, मिट्टी गायब

गणेश चतुर्थी से पहले बाजार में बढ़ी प्रतिमाओं की मांग

तालाब सूखे तो कारीगरों ने पीओपी को बनाया सहारा

यूनिक समय, मथुरा। गणेश चतुर्थी में अब करीब एक सप्ताह शेष है। शहर के बाजारों और प्रतिमा निर्माण स्थलों पर गणपति बप्पा के स्वागत की तैयारियां तेज हो गई हैं। कारीगर दिन—रात मेहनत कर प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। कहीं आंखों को आकार दिया जा रहा है तो कहीं रंग—रोगन और साज—सज्जा का काम चल रहा है। विभिन्न आकार और आकर्षक स्वरूप वाली प्रतिमाएं श्रद्धालुओं को खूब आकर्षित कर रही हैं। उत्सव की इस रौनक के बीच पर्यावरण संरक्षण की चिंता भी सामने आ रही है। शहर के बाजारों में इस बार बड़ी संख्या में प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी गणेश प्रतिमाएं दिखाई दे रही हैं। पर्यावरण की दृष्टि से मिट्टी और गोबर से बनी प्रतिमाओं को बेहतर विकल्प माना जाता है, लेकिन स्थानीय स्तर पर प्रतिमा निर्माण के लिए जरूरी चिकनी मिट्टी की उपलब्धता कम हो गई है।

पानी में आसानी से नहीं घुलता पीओपी

पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार पीओपी से बनी प्रतिमाओं का सबसे बड़ा संकट विसर्जन के बाद सामने आता है। पीओपी पानी में आसानी से नहीं घुलता, जिससे इसके अवशेष जलस्त्रोतों में लंबे समय तक बने रह सकते हैं। प्रतिमाओं में इस्तेमाल होने वाले कृत्रिम रंग और अन्य रासायनिक पदार्थ भी पानी की गुणवत्ता प्रभावित कर सकते हैं। इससे जलीय जीवों और वनस्पतियों पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका रहती है। यही वजह है कि पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से मिट्टी से बनी प्रतिमाओं को अपेक्षाकृत बेहतर विकल्प माना जाता है।

कारीगरों की बात

अंतापाड़ा के अंबाखार क्षेत्र में प्रतिमाएं तैयार कर रहे कारीगर राजेश कुशवाहा के अनुसार, पीओपी का प्रयोग उनकी पसंद नहीं, बल्कि मजबूरी है। उनका कहना है कि तालाब और पोखरों के सूखने से प्रतिमा बनाने योग्य मिट्टी आसानी से नहीं मिलती। ऐसे में पीओपी का इस्तेमाल करना पड़ रहा है।

अंबाखार निवासी कारीगर रामकिशोर ने बताया कि कुछ श्रद्धालु मिट्टी और गोबर से बनी पर्यावरण अनुकूल प्रतिमाएं पसंद करते हैं। उनकी मांग पूरी करने के लिए कोलकाता से प्रतिमाएं मंगाई जाती हैं। ऐसे में उत्सव की तैयारियों के बीच स्थानीय संसाधनों और पर्यावरण संरक्षण का सवाल भी बना हुआ है।

जज के सरकारी आवास का ताला तोड़कर लाखों का माल चोरी

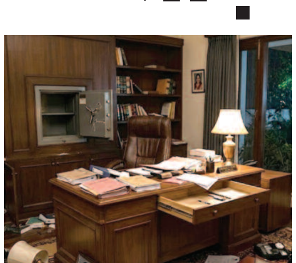

पति—पत्नी गए थे रोहतक, पीछे से हो गई वारदात

सोने—चांदी के जेवरात नकदी और लाइसेंसी पिस्टल ले गए चोर

यूनिक समय, मथुरा। चोरों ने कानून -व्यवस्था को चुनौती देते हुए जजेज कॉलोनी स्थित अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आवास का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दे डाला। चोर घर से बड़ी मात्रा में सोने—चांदी के आभूषण, नकदी के साथ न्यायिक अधिकारी की लाइसेंसी पिस्टल और कारतूस भी चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सदर बाजार थाने में दर्ज कराए गए मुकदमे में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की पत्नी प्रिया कुमारी ने बताया कि वह और उनके पति चार सितंबर को दोपहर करीब दो बजे आवास संख्या जे- नौ में ताला लगाकर अपने गृह जनपद रोहतक चले गए थे।

छह सितंबर की सुबह करीब 11:15 बजे एक डिलीवरी बॉय से बातचीत के दौरान उन्हें जानकारी मिली कि घर का ताला खुला हुआ है।

सूचना मिलने के बाद उन्होंने डिलीवरी बॉय से वीडियो कॉल के माध्यम से घर की स्थिति दिखाने को कहा। वीडियो कॉल में मुख्य दरवाजे की कुंडी टूटी हुई दिखाई दी। घर के अंदर जाने पर बेडरूम का ताला भी टूटा मिला। इसके बाद घर की तलाशी लेने पर सामान गायब मिला।

पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र के अनुसार, चोरी हुए सामान में आठ जोड़ी सोने के कुंडल, दो सोने की अंगूठियां, सोने की चेन-पेंडल, रुद्राक्ष वाली सोने की चेन, दो सोने की नथिया, दो चांदी के सिक्के और करीब 100 ग्राम का चांदी का बिस्किट शामिल हैं। इसके अलावा 25 हजार रुपये नकद भी गायब मिले। सबसे गंभीर बात यह है कि चोर न्यायिक अधिकारी की लाइसेंसी .32 बोर पिस्टल और उसके साथ रखे जिंदा कारतूस भी ले गए। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर चोरों की तलाश में जुटी है।

जजेज कंपाउंड चोरी के खुलासे को छह टीमें गठित

यूनिक समय, मथुरा। जजेज कंपाउंड के आवास जे–9 में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने छह टीमें गठित की हैं। सीओ रिफाइनरी प्रवीन कुमार तिवारी ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण कर फील्ड यूनिट और श्वान दस्ते ने साक्ष्य जुटाए। मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में पीली—सफेद धातु, 25 हजार रुपये और लाइसेंसी पिस्टल चोरी होने की बात सामने आई है। पुलिस जल्द खुलासा करने में जुटी है।

बीएसए रोड पर फर्नीचर की दुकान में भीषण आग

दमकल की पांच गाड़ियों ने संभाला मोर्चा, लाखों का नुकसान

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोतवाली क्षेत्र के बीएसए रोड स्थित पांडेय फोम हाउस की दुकान में सोमवार शाम करीब सात बजे अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। दुकान से उठती आग की लपटों और धुएं को देखकर आसपास के लोगों में अफरा—तफरी मच गई। आग की चपेट में आने से दुकान में रखा लाखों रुपये का फर्नीचर और अन्य सामान जलकर राख हो गया।

आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। दुकान में फर्नीचर और अन्य सामान होने के कारण आग तेजी से फैल गई। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया

बीएसए कॉलेज के सामने पांडेय फोम हाउस से उठती आग की लपटें।

और आसपास की दुकानों तक लपटें पहुंचने से रोकने में जुटे रहे।

प्रारंभिक जानकारी में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। आग बुझने के बाद ही नुकसान का वास्तविक आकलन हो सकेगा। घटना के दौरान आसपास काफी भीड़ जुट गई। दमकल कर्मियों ने लोगों को घटनास्थल से दूर रखा। पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली।

लोक निर्माण विभाग की महिला कर्मचारी ने डीएम से की शिकायत

सहायक अभियंता पर अभद्र व्यवहार और गाली—गलौज का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड में तैनात सहायक अभियंता मनोज कुमार सेंगर के खिलाफ विभाग की एक चतुर्थ श्रेणी महिला कर्मचारी ने सोमवार को डीएम से शिकायत की। महिला कर्मचारी ने अवर अभियंता पर अभद्र व्यवहार, गाली—गलौज और मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगाए और कार्रवाई की मांग की। डीएम ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए सीडीओ से जांच को कहा है।

डीएम से शिकायत कर आती पीड़ित महिला कर्मचारी।

कलेक्ट्रेट स्थित लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड में तैनात एक महिला ने बताया कि वह विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी बेलदार के पद पर कार्यरत हैं, करीब छह माह से वरिष्ठ खंडीय लेखाधिकारी के अधीन घंटी पर तैनात हैं। आरोप है कि उसके विधवा होने की स्थिति को देखते हुए सहायक अभियंता मनोज कुमार सेंगर उसके प्रति गलत नजरिया रखते हैं, अक्सर उसको अपने कक्ष में बुलाकर अनुचित हरकत करते हुए हंसी—मजाक करते हैं।

कर्मचारी की शिकायत पर डीएम ने सीडीओ को दिए जांच के निर्देश

शिकायत में बताया गया कि तीन सितंबर को दोपहर करीब 1:30 बजे वह कैशियर किशोर उपाध्याय के कक्ष में थीं। इसी दौरान मनोज कुमार सेंगर वहां पहुंचे और उससे गाली—गलौज करते हुए कहा कि उन्हें घंटी की आवाज सुनाई नहीं देती। विरोध करने पर मामला बढ़ गया। इस पर मनोज कुमार सेंगर ने मारने के लिए दौड़ने का प्रयास किया, तभी मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारी हुकुम सिंह ने अवर अभियंता को रोककर उसको बचाया। महिला कर्मचारी का कहना था कि घटना के समय किशोर उपाध्याय, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी नवनीत पाल, अमीन सहित अन्य लोग मौजूद थे। वहीं, जानकारों का कहना है कि तीन सितंबर को हुए इस प्रकरण के बाद अवर अभियंता कार्यालय भी नहीं आ रहे हैं। विभाग के कर्मचारियों का कहना है कि अवर अभियंता के इस कृत्य से विभाग की बदनामी हो रही है।

चबूतरा तुड़वाने के विवाद में दो वकील भिड़े, कपड़े फटे

सदर तहसीलदार कार्यालय के बाहर मारपीट, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

यूनिक समय, मथुरा। सदर तहसील परिसर में सोमवार को जचौंदा गांव में चबूतरा तुड़वाने के विवाद को लेकर दो अधिवक्ताओं के बीच मारपीट हो गई। तहसीलदार कार्यालय के बाहर दोनों के बीच कहासुनी के बाद मामला इतना बढ़ गया कि देखते ही देखते लात—घूंसे चलने लगे। मारपीट के दौरान दोनों के कपड़े भी फट गए। घटना से तहसील परिसर में काफी देर तक अफरा—तफरी का माहौल रहा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जचौंदा गांव में चबूतरे को तुड़वाने से जुड़े मामले को लेकर दोनों अधिवक्ताओं के बीच विवाद चल रहा था। सोमवार को इसी मामले को लेकर दोनों तहसील पहुंचे थे। तहसीलदार कार्यालय के बाहर किसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी हुई और देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया।

मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों को अलग करने का प्रयास किया। घटना का वीडियो भी किसी ने बना लिया, जो बाद में इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया।

वीडियो में दोनों अधिवक्ताओं के बीच मारपीट होती दिखाई दे रही है। घटना को लेकर तहसील परिसर में चर्चाओं का दौर जारी रहा। कानून की पैरवी करने वाले अधिवक्ताओं के बीच सार्वजनिक स्थान पर हुई मारपीट ने तहसील की व्यवस्था और अनुशासन पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

वर्ष 2027 की बोर्ड परीक्षा केंद्रों की पहली सूची 21 सितंबर को

यूनिक समय, मथुरा। अगले साल होने वाली हाईस्कूल और इंटरमीडिएट यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया तेज हो गई है। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने केंद्र निर्धारण के लिए संशोधित समय-सारिणी जारी कर दी है। इसके अनुसार ऑनलाइन चयनित परीक्षा केंद्रों की पहली सूची 21 सितंबर को जारी की जाएगी। सूची जारी होने के बाद संबंधित विद्यालयों से आपत्तियां प्राप्त करने और उनके निस्तारण की प्रक्रिया शुरू होगी।

जिले में बोर्ड परीक्षा के लिए 237 माध्यमिक विद्यालयों की ऑनलाइन फीडिंग कराई गई है। इनमें राजकीय, सहायता प्राप्त और वित्तविहीन विद्यालय शामिल हैं। परीक्षा केंद्रों के निर्धारण से पहले ऐसे विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों का भौतिक सत्यापन

विद्यालयों की ऑनलाइन फीडिंग सत्यापन प्रक्रिया पूरी

22 अक्टूबर को अपलोड होगी अनुमोदित केंद्रों की सूची

भी कराया जा चुका है। इसमें परीक्षा कक्ष, भवन, सीसीटीवी कैमरे, पेयजल,

समय पर पूरी करनी होगी प्रक्रिया

जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने बताया कि संशोधित कार्यक्रम के अनुसार सभी संबंधित विद्यालयों और अधिकारियों को केंद्र निर्धारण से जुड़ी प्रत्येक प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा में पूरी करनी होगी।

शौचालय, फर्नीचर, बिजली समेत अन्य आवश्यक सुविधाओं की स्थिति जांची गई है।

तहसील स्तरीय समिति की आख्या जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से 12 सितंबर तक परिषद की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। इसके बाद 21 सितंबर को ऑनलाइन चयनित परीक्षा केंद्रों की पहली सूची जारी होगी। 23 सितंबर को डिबार विद्यालयों, मान्यता प्रत्याहरण की कार्रवाई वाले विद्यालयों और अन्य संबंधित विद्यालयों की सूची भी वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी। इसी के साथ प्रस्तावित केंद्रों को लेकर आपत्तियां दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू होगी।

आपत्तियों के निस्तारण और आवश्यक सत्यापन के बाद 22 अक्टूबर को अनुमोदित परीक्षा केंद्रों की सूची परिषद की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। इसके बाद 29 अक्टूबर तक अनुमोदित केंद्रों के संबंध में अंतिम आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। इनका निस्तारण होने के बाद वर्ष 2027 की बोर्ड परीक्षा के लिए अंतिम केंद्र सूची जारी की जाएगी।

कुंवर नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में डीएम को दिया ज्ञापन

यूजीसी के विरोध में एसडीएम को ज्ञापन सौंपते कुंवर नरेंद्र सिंह आदि।

यूजीसी व्यवस्था में बदलाव समेत मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की भी उठी मांग

यूनिक समय, मथुरा। श्री राजपूत करणी सेना और सर्व समाज के तत्वावधान में कुंवर नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में विभिन्न सामाजिक और राष्ट्रहित से जुड़े मुद्दों को लेकर सोमवार को डीएम के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। प्रतिनिधिमंडल ने यूजीसी कानून को वापस लेने अथवा इसमें आवश्यक संशोधन किए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई।

ज्ञापन में कहा गया कि वर्तमान यूजीसी व्यवस्था विद्यार्थियों और शिक्षण व्यवस्था की जरूरतों के अनुरूप नहीं है। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि यदि मौजूदा व्यवस्था में सुधार की गुंजाइश है तो विद्यार्थियों और जनहित को ध्यान में रखते हुए आवश्यक संशोधन किए जाएं।

इसके अलावा गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने, उनके संरक्षण के लिए प्रभावी कानून बनाने, मंदिरों की पवित्रता और धार्मिक स्थलों की मर्यादा बनाए रखने की मांग भी ज्ञापन में शामिल की गई। कुंवर नरेंद्र सिंह ने कहा कि सामाजिक और राष्ट्रहित के मुद्दों को संबंधित स्तर तक पहुंचाना समाज की जिम्मेदारी है। ज्ञापन सौंपने के दौरान करणी सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष कन्हैया राजावत, आगरा मंडल अध्यक्ष सिताराम सिंह, गौरव सिंह, विवेक चौहान, दीपक सिंह, मनोज सिंह राजपूत, रोहित गौतम, राहुल सिंह, उदयवीर, तेजपाल सिंह, राकेश ठाकुर, कैलाश यादववंशी, गुलाब सिंह और शंकर सहित संगठन के पदाधिकारी, युवा एवं सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार को चार वाहन रवाना

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार को हरी पताका दिखाकर वाहन रवाना करते जनपद न्यायाधीश विकास कुमार आदि।

जनपद न्यायाधीश ने दिखाई हरी पताका, 12 सितंबर को होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

यूनिक समय, मथुरा। 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए सोमवार को जनपद न्यायालय परिसर से चार प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जनपद न्यायाधीश-जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष विकास कुमार ने प्रचार वाहनों को रवाना किया। इनके माध्यम से शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को लोक अदालत के संबंध में जानकारी दी जा रही है।

प्रचार वाहनों के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी और पराविधिक स्वयंसेवक मौजूद रहे। इस दौरान अपर जिला जज अजय पाल सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नितिन कुमार, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेलवे सूर्यभान कुमार वर्मा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनीता सिंह समेत न्यायिक अधिकारी, कर्मचारी और लीगल एड डिफेंस काउंसिल उपस्थित रहे। सचिव अनीता सिंह ने आमजन से अपील की कि वे 12 सितंबर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने मामलों को चिन्हित कर स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हों और आपसी सहमति से मामलों का निस्तारण कराएं।

नंद उत्सव में गूंजा जय कन्हैया लाल का जयघोष

साधु- संतों को प्रसाद वितरित करते सेवाभावी।

फलारी भंडारे में साधु संतों की सेवा भी की गई

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर केशव देव के भक्तों ने सोमवार को गौरी गोपाल आश्रम में नंद उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया। एकादशी पर फलारी भंडारे का आयोजन कर साधु-संतों की सेवा की गई। मंदिर परिसर में आयोजित भजन संध्या में श्रद्धालु भक्ति में झूमते नजर आए।

मनमोहन आगरा ने 'लाला जन्म में सुन आई यशोदा मैया दे दो बधाई', दीपक शर्मा ने 'जायो यशोदा ने लल्ला मोहल्ला में हल्ला सो मच गयो' और बनवारी लाल शर्मा ने भजनों की प्रस्तुति दी। 'नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयघोष से मंदिर परिसर गूंज उठा। इससे पहले ठाकुर केशव देव और गौरी गोपाल के चित्रपट पर पुष्प अर्पित कर भजन संध्या का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर दिलीप पांडे, राजकुमार अग्रवाल, मोहनलाल वर्मा, योगेंद्र गोयल, वेद प्रकाश शर्मा, रोहित शर्मा, अंगद तिवारी और मुकेश सिंह आदि मौजूद रहे।

कैनवास पर साकार हो रहीं राधा-कृष्ण की दिव्य लीलाएं

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्णोत्सव के समापन आयोजनों के तहत अब राधा-कृष्ण की दिव्य लीलाएं रंगों और तूलिका के जरिए कैनवास पर साकार हो रही हैं। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की ओर से वृंदावन स्थित गीता शोध संस्थान में सोमवार से तीन दिवसीय श्रीकृष्ण राष्ट्रीय चित्रांकन शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर नौ सितंबर तक चलेगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ परिषद के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश चंद्र, गीता शोध संस्थान के निवर्तमान निदेशक प्रो. दिनेश खन्ना और डॉ. उमेश चंद्र शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। चित्रकारों का स्वागत करने के बाद उन्हें कैनवास, रंग और आवश्यक कला सामग्री उपलब्ध कराई गई।

शिविर में विभिन्न राज्यों से आए 20 ख्याति प्राप्त चित्रकार भगवान श्रीकृष्ण, राधा-कृष्ण के प्रेम और ब्रज की विविध लीलाओं को अपनी विशिष्ट कला शैलियों में उकेर रहे हैं।

श्रीकृष्ण राष्ट्रीय चित्रांकन शिविर में विचार व्यक्त करती कलाकार।

इनमें 16 महिला और चार पुरुष कलाकार शामिल हैं।

शिविर का प्रमुख आकर्षण पद्मश्री से सम्मानित मधुबनी चित्रकार शांति देवी हैं। इसके अलावा राष्ट्रपति भवन में चित्र प्रदर्शनी लगा चुकीं कंचन प्रकाश भी प्रतिभाग कर रही हैं। शांति देवी ने कहा कि उन्होंने अपना जीवन कला को समर्पित किया है और जीवनभर चित्रकला से जुड़ी रहना चाहती हैं।

गीता शोध संस्थान के महेश चंद्र शर्मा ने कहा कि श्रीकृष्ण की लीलाओं का चित्रण केवल कला नहीं, बल्कि भक्ति और साधना का माध्यम भी है। संचालन संस्थान के समन्वयक सीपी सिंह ने किया।

शिविर में भाग लेने वाले चित्रकारों में डॉ. अलका झा इंदौर, डॉ. बंदना जोशी नाथद्वारा, डॉ. पूनम रानी अलीगढ़, नीतिक्षा डावर दिल्ली, डॉ. खुशबू उपाध्याय गाजियाबाद, नेहा लखनऊ, मनजीत कौर चंडीगढ़, डॉ. अलका मनीष पाठक सीहोर, सोमा

देशभर के 20 चित्रकारों ने संभाली रंग और तूलिका

पद्मश्री सहित प्रतिष्ठित कलाकार तीन दिन करेंगे चित्रांकन

आनंद पटना, विनीता सिंह पटना, विनीता शर्मा जयपुर, कंचन प्रकाश ग्रेटर नोएडा, सुमित्रा अहलावत (दिल्ली), सुमन डोंगरे उज्जैन, प्रिंस राज मेरठ, विनोद कुमार सिंह लखनऊ, जयेश त्रिवेदी उज्जैन, ललित कला अकादमी आगरा के निदेशक डॉ. मनोज कुमार सिंह शामिल हैं।

कार्यक्रम में कला- संस्कृति के क्षेत्र से जुड़े मार्गदर्शक दीपक, रामवीर, मोहिनी कृष्णदासी, विक्रम दिवाकर मनीष, बच्चू सिंह और सुनील सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मांट पुलिस ने तीन वांछित अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना मांट पुलिस ने वांछित चल रहे तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने छह सितंबर को सुरेश चन्द्र निवासी गांव मगदा थाना मांट को उसके घर से दोपहर करीब 3:07 बजे गिरफ्तार किया। वहीं देवेन्द्र कुमार निवासी बैकुण्ठधाम कॉलोनी थाना मगोर्रा, हाल निवासी पश्चिम पुरी थाना सिकन्दरा आगरा, भूरा उर्फ भूरा पहलवान निवासी थोक नयावांसी थाना गोवर्धन को मांट थाना गेट के निकट मांट-राया रोड से रात करीब 8:30 बजे गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, मामले में 22 अगस्त को तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया था। तीनों अभियुक्तों के नाम मुकदमे में दर्ज थे और उनकी तलाश की जा रही थी। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक रवीन्द्रपाल सिंह, अवधेश कुमार, धर्मेन्द्र कुमार सहित पुलिसकर्मी शामिल रहे।

ऑपरेशन कन्विक्शन का असर, मारपीट के आरोपी को सजा

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस महानिदेशक द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते न्यायालय ने मारपीट और गाली-गलौज के मामले में अभियुक्त को सजा सुनाई है। थाना कोतवाली मथुरा में वर्ष 1994 में दर्ज मुकदमा अभियुक्त उमेश चन्द निवासी बाड़ा जयराम दास जनरल गंज, थाना कोतवाली के खिलाफ मुकदमा दर्ज था। मामले में मथुरा पुलिस की गुणवत्तापूर्ण विवेचना और लोक अभियोजक की प्रभावी पैरवी के बाद सात सितंबर को एसीजेएम-01 ने साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त को जेल में बिताई गई अवधि की सजा और 2500 रुपये अर्थदंड से दंडित किया।

आगे सील, पीछे दीवार तोड़ कर चल रहा अस्पताल!

परखम में सील अस्पताल दोबारा खुलने की शिकायत

झोलाछाप के प्रसव कराने की भी मिल रही हैं शिकायतें

यूनिक समय, फरह। क्षेत्र में झोलाछाप चिकित्सकों के खिलाफ कार्रवाई के बावजूद अवैध रूप से चिकित्सा गतिविधियां संचालित होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। गांव परखम में स्वास्थ्य विभाग की ओर से पूर्व में सील किए गए एक अस्पताल के पीछे की दीवार तोड़कर दोबारा संचालन किए जाने की शिकायत सामने आई है। मरीजों के उपचार के लिए कई पलंग भी रखे गए हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग ने गांव परखम में संचालित एक अस्पताल को दो साल की बालिका की उपचार के दौरान मृत्यु होने के बाद सील किया था। अब शिकायत है कि अस्पताल के पिछले हिस्से की दीवार में रास्ता बनाकर वहां मरीजों का उपचार किया जा रहा है। यह अस्पताल झोलाछाप अमित गोयल का बताया जा रहा है। वहीं, कस्बे में रेलवे फाटक के समीप एक झोलाछाप के अस्पताल में प्रसव कराए जा रहे हैं। यहां भी यह काम बिना डिग्री और रजिस्ट्रेशन के चल रहा है। गांव परखम में भी प्रसव कराने जैसी अवैध सेवाएं चल रही हैं। बीते दिन हुई मारपीट भी एक महिला का प्रसव कराने को लेकर हुई थी। ग्रामीणों ने क्षेत्र में संचालित सभी निजी अस्पतालों और चिकित्सा केंद्रों की जांच कराने और मानकों का उल्लंघन मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधाबल्लभ ने कहा कि यदि सील किए गए अस्पताल का पीछे से संचालन किया जा रहा है तो इसकी जांच कराई जाएगी। नियमों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। झोलाछाप चिकित्सकों को किसी भी कीमत पर प्रसव का काम नहीं करने दिया जाएगा।

प्रेम मंदिर के पास ई-रिक्शा ने बाइक में मारी टक्कर, दो घायल

यूनिक समय, वृंदावन। छटीकरा रोड स्थित प्रेम मंदिर के पास तेज रफ्तार और लापरवाही से ई- रिक्शा चालक ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो लोग गंभीर घायल हो गए। घटना 24 अगस्त की सुबह करीब 11 बजे की बताई गई है।

अलीगढ़ के थाना विजयगढ़ के आलमपुर निवासी बृह्मदेव शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके चाचा जयप्रकाश और चाचा के दोस्त राकेश कुमार शर्मा मोटरसाइकिल से वृंदावन परिक्रमा लगाने आए थे। प्रेम मंदिर के पास पहुंचने पर ई-रिक्शा के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए गलत दिशा में आकर मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए। घटना के बाद ई रिक्शा चालक फरार हो गया। घायलों को पहले मायावती अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने गंभीर हालत देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। इसके बाद दोनों को एम्बुलेंस से एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार जारी है।

डकैती की योजना बना रहे पांच आरोपी गिरफ्तार

देवराहा बाबा मुख्य मार्ग से पकड़े गए आरोपितों से चाकू और आईफोन समेत नकदी बरामद

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन कोतवाली पुलिस ने रविवार रात गश्त के दौरान डकैती की योजना बना रहे पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपितों से चाकू, आईफोन और नकदी बरामद हुई है। पुलिस ने आरोपियों को जेल भेजा है।

पुलिस के अनुसार, उपनिरीक्षक दीपक नागर पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान सूचना मिली कि देवराहा बाबा वाले मुख्य मार्ग पर मोड़ के पास पत्थर की सीटों पर कुछ संदिग्ध लोग बैठे हैं और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर पांचों आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सूरज कुमार निवासी नीचे टोला थाना तीन पहाड़ झारखंड़, राहुल कुमार महादेव वरण थाना मिर्जा झारखंड, तूफान कुमार महादेव वरण थाना मिर्जा झारखंड़ , राहित शेख महाराजपुर थाना तलझाड़ी साहेब गंज झारखंड़ और विजय कुमार नई आबादी पाराशर कालोनी धनौली थाना मलपुरा आगरा के रूप में हुई। पुलिस ने तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से पांच चाकू, एक आईफोन और 1750 रुपये बरामद किए। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे रात के समय किसी बंद मकान या दुकान में डकैती डालने की योजना बना रहे थे। बरामद नकदी के संबंध में पूछताछ करने पर आरोपितों ने नधिया मंदिर से एक पर्स चोरी करने की बात भी बताई। आरोपियों के अनुसार, पर्स में करीब चार हजार रुपये थे, जिन्हें पांचों ने आपस में बांट लिया था। पर्स को यमुना नदी में फेंकने की बात भी सामने आई। पुलिस ने पांचों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया। पुलिस बरामद आईफोन और नकदी के संबंध में आगे की जांच कर रही है।

वृंदावन में मंदिर की संपत्ति के फर्जी पट्टे और बिक्री का आरोप

अखिल भारतीय श्री पंच श्याम दिगंबर अखाड़ा चैरिटेबल ट्रस्ट ने छह लोगों के खिलाफ कराई एफआईआर

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिर की संपत्ति को कथित रूप से गलत तरीके से पट्टे पर देने और बाद में बिक्री किए जाने के मामले में कोतवाली थाने में छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस प्रकरण की जांच कर रही है।

रविवार को कोतवाली में दर्ज कराए गए मुकदमे में अखिल भारतीय श्री पंच श्याम दिगंबर अखाड़ा चैरिटेबल ट्रस्ट ज्ञान गुदड़ी के अध्यक्ष देवेश प्रताप सिंह चौहान ने आरोप लगाया है कि आधा दर्जन आरोपितों ने ठाकुर श्री दिगंबिहारी उर्फ श्री यमुना प्यारी बिहारी जी के मंदिर और उससे जुड़ी संपत्ति को लेकर षड्यंत्र के तहत दस्तावेज तैयार कर संपत्ति का पट्टा और बिक्री किए जाने की कार्रवाई की है।

बाबा डूंगरदास मंदिर के सेवायत थे, उनके निधन के बाद ट्रस्ट की जिम्मेदारी उनको दी गई।

शिकायत में यह भी आरोप है कि संबंधित भूमि के कुछ हिस्सों की रजिस्ट्री अलग-अलग लोगों के पक्ष में कराई गई। मामले में भारतीय न्याय संहिता के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है, जिसमें यदुनंदन शरण दास, आशीष कुशवाहा, डोली सिंह, अमर सिंह, सीमा और ममता झातू को आरोपित बनाया गया है। पुलिस प्रकरण की जांच कर रही है।

मोबाइल चोरी के पांच फोन बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान चोरी के पांच मोबाइल फोन बरामद करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, छह सितंबर को उपनिरीक्षक पवन कुमार चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान एसबीआई चौराहे पर सूचना मिली कि एक व्यक्ति चोरी के मोबाइल फोन लेकर रेलवे जंक्शन मथुरा की ओर जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने बताए गए स्थान की ओर पहुंचकर संदिग्ध व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम गुलजार अहमद निवासी वाजदपुर जाजमऊ चकेरी कानपुर बताया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से पांच मोबाइल फोन बरामद हुए। बरामद मोबाइल में रेडमी, ओप्पो, रियलमी, सैमसंग और नार्जो कंपनी के फोन शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की रात मथुरा में भीड़ वाले स्थानों से मोबाइल चोरी किए थे और इन्हें कानपुर ले जाकर बेचने की तैयारी थी।

महिला के कानों से कुंडल झपट कर फरार हुए बाइक सवार

यूनिक समय, मथुरा। हाईवे थाना क्षेत्र में राजसिटी से करीब 50 मीटर पहले बाइक सवार दो अज्ञात बदमाश महिला के कानों से कुंडल झपटकर फरार हो गए। घटना के संबंध में किशन वाटिका कॉलोनी टाउनशिप थाना रिफाइनरी बृजविहारी ने हाईवे थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

तीन सितंबर की शाम करीब 5:15 बजे उनकी पत्नी गीता घर से मोहनपुर दूध लेने जा रही थीं। जब वह राजसिटी से करीब 50 मीटर पहले पहुंचीं, तभी डीलक्स मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात व्यक्ति वहां पहुंचे। बाइक पर पीछे बैठे व्यक्ति ने पीछे से महिला के कानों पर झपट्टा मारकर दोनों कानों के कुंडल छीन लिए। इसके बाद दोनों आरोपी बाइक से मौके से फरार हो गए। पुलिस अज्ञात बाइक सवारों की पहचान और उनकी तलाश में जुटी है।

युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप,रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली क्षेत्र में एक युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला सामने आया है। मामले में पिता ने पुलिस को तहरीर देकर बेटी को तलाशने की गुहार लगाई है। अंता पाड़ा निवासी एक व्यक्ति ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी करीब 18 वर्षीय बेटी को छह सितंबर को विशाल निवासी यमुना विहार, बीएसए के पास बहला-फुसलाकर ले गया है। आरोप है कि युवती को ले जाने में विशाल के पिता संगम, आकाश और लशवम भी शामिल हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वृंदावन के रुक्मिणी बिहार से बाइक चोरी

यूनिक समय, वृंदावन। कोतवाली क्षेत्र के रुक्मिणी बिहार से घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी हो गई। मामले में भगवान स्वरूप निवासी रुक्मिणी बिहार ने थाना में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित ने बताया कि चार सितंबर की रात करीब 1:30 बजे उनकी मोटरसाइकिल चोरी हो गई। सुबह जानकारी होने पर आसपास तलाश की, लेकिन बाइक का कोई सुराग नहीं मिला। पीड़ित के अनुसार, चोरी से जुड़े संबंधित सीसीटीवी फुटेज भी उसके पास उपलब्ध है।

बदलते मौसम में घर-घर बढ़ा वायरल संक्रमण का खतरा

जिला अस्पताल में पंजीकरण कराने को लाइन में लगे मरीज-तीमारदार।

चिकित्सक की सलाह

डा. रामवीर सिंह का कहना है कि बदलते मौसम में ठंडे और गर्म वातावरण के बीच अचानक जाने से बचना चाहिए। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना, ताजा और पौष्टिक भोजन लेना और नींद पूरी करना जरूरी है। बाहर से आने के बाद हाथों को अच्छी तरह धोना चाहिए। खांसी-जुकाम वाले व्यक्ति के बहुत नजदीक जाने से बचें और भीड़भाड़ वाली जगहों पर सावधानी बरतें। बिना चिकित्सकीय सलाह के बुखार या संक्रमण की दवा न लें। यदि बुखार लगातार बना रहे, सांस लेने में परेशानी हो, अत्यधिक कमजोरी आए या लक्षण तेजी से बढ़ें तो तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लेना चाहिए।

मौसम की मार, घर-घर में बढ़ी सर्दी-खांसी की बीमारी

रात की नमी और दिन की उमस से वायरल संक्रमण का खतरा

सोमवार को जिला अस्पताल में दवा वितरण काउंटर पर दवा लेने को लगी लाइन।

यूनिक समय, मथुरा। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव का असर अब लोगों की सेहत पर दिखाई देने लगा है। रात में बढ़ रही नमी और दिन में उमस के कारण लोग सर्दी-खांसी, गले में खराश और बुखार की शिकायत लेकर चिकित्सकों के पास पहुंच रहे हैं। बदलते मौसम के बीच घर-घर में वायरल संक्रमण के मरीज बढ़ने से जिला अस्पताल और निजी चिकित्सालयों में भी मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। चिकित्सकों के अनुसार, इस समय सबसे अधिक मरीज वायरल संक्रमण, सर्दी-खांसी और गले से जुड़ी समस्या लेकर आ रहे हैं। मौसम में अचानक बदलाव होने से शरीर को तापमान के अनुसार ढलने में समय लगता है। ऐसे में रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर पड़ने पर संक्रमण की चपेट में आने की आशंका बढ़ जाती है। बच्चों और बुजुर्गों में इसका असर अपेक्षाकृत अधिक देखने को मिल रहा है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि जिले में फिलहाल मलेरिया और डेंगू का कोई सक्रिय मामला नहीं है। पूर्व में सामने आए मरीज उपचार के बाद स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। विभाग की ओर से मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए निगरानी भी की जा रही है। सोमवार को जिला अस्पताल में वायरल, जुकाम- खांसी से परेशान अधिक मरीज उपचार कराने आए। सीएमएस डा. नीरज अग्रवाल ने बताया कि ऐसा मौसम की वजह से हो रहा है। सभी मरीजों को उपचार और दवा दी जा रही है।

रोडवेज ने ई-रिक्शा में मारी टक्कर,चालक घायल

यूनिक समय, कोसीकलां। कोसीकलां-नंदगांव रोड पर सोमवार दोपहर हादसा हो गया। बस स्टैंड से नंदगांव की ओर जा रही राजस्थान रोडवेज बस ने आगे चल रहे ई-रिक्शा में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ई-रिक्शा सड़क किनारे बने नाले में जा गिरा। हादसे में ई-रिक्शा चालक थान सिंह निवासी गांव फालैन, थाना कोसीकलां घायल हो गया। गनीमत रही कि उसे ज्यादा चोट नहीं आई, हाथ-पैरों में मामूली खरोंचें आई हैं। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत नाले से ई-रिक्शा को बाहर निकाला और थान सिंह को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई।

अनुसूचित जाति-जनजाति के युवाओं को मिलेगा निशुल्क प्रशिक्षण

यूनिक समय, मथुरा। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए चार माह का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। उद्योग निदेशालय द्वारा संचालित अनुसूचित जाति उपयोजना और जनजातीय उपयोजना के तहत यह प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। उपायुक्त उद्योग चंद्रभान सिंह ने बताया कि योजना के अंतर्गत कंप्यूटर और ब्यूटीशियन ट्रेड में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इच्छुक पात्र अभ्यर्थी 15 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

जाम में फंसती शहर की जिंदगी,एंबुलेंस को भी नहीं रास्ता

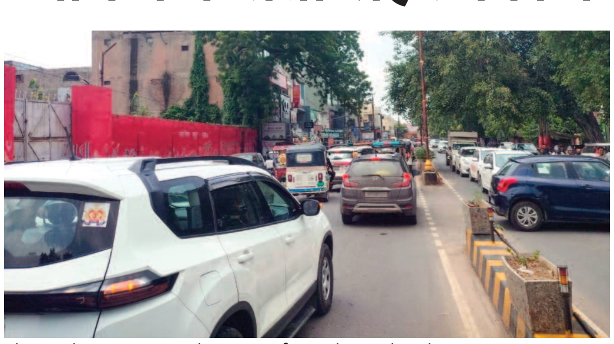

सोमवार दोपहर कृष्णानगर के मुख्य मार्ग पर लगे जाम में फंसे वाहन।

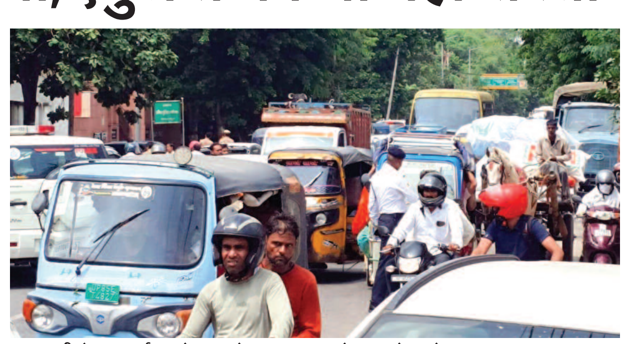

एसएसपी कैंप कार्यालय के सामने सड़क पर लगे जाम में फंसे वाहन।

यूनिक समय, मथुरा। शहर में जाम की समस्या अब लोगों के लिए नासूर बनती जा रही है। जरूरी काम से निकलने वाले राहगीरों के साथ अब आपातकालीन सेवाएं भी इससे प्रभावित हो रही हैं। जाम में एंबुलेंस के फंसने से मरीजों की परेशानी बढ़ रही है। सायरन बजने के बावजूद एंबुलेंस को रास्ता नहीं मिल पाता। पहले निकलने की होड़ में वाहन चालक एंबुलेंस को रास्ता देने के बजाय आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं।

सड़क पर पार्किंग का कब्जा, सायरन भी बेअसर

कलेक्ट्रेट से कृष्णानगर तक जाम, राहगीर बेहाल

कलेक्ट्रेट मार्ग पर डीएम कार्यालय से एसएसपी आवास और पुराने विप्रा कार्यालय तक जाम की समस्या लगातार बनी हुई है। सोमवार को दिन में कई बार यहां यातायात बाधित हुआ। डीएम कार्यालय के सामने से पुराने विप्रा कार्यालय तक और एसएसपी आवास के आसपास वाहनों की लंबी कतार लगी रही। दर्जनों कारों के सड़क पर थमने से जाम लग गया, इसके बाद दोपहिया वाहनों के बीच से निकलने की कोशिश करने से स्थिति और बिगड़ती रही। स्थानीय लोगों के अनुसार, फुटपाथ पर वाहनों की पार्किंग भी जाम की बड़ी वजह है। फुटपाथ पर वाहन खड़े होने के कारण पैदल चलने वालों को सड़क पर उतरना पड़ता है। इससे सड़क पर वाहनों और राहगीरों का दबाव बढ़ जाता है। कार्यालय खुलने वाले दिनों में यह समस्या अधिक गंभीर हो जाती है।

कृष्णानगर में शाम को बढ़ती परेशानी

कृष्णानगर मार्ग पर सौंख मार्ग तिराहे से गोवर्धन चौराहे तक भी यातायात व्यवस्था बदहाल है। दोपहर में यहा कई बार जाम लगता है, जबकि शाम से रात करीब नौ बजे तक कई बार यातायात थम जाता है। मुख्य वजह दुकानों पर खरीदारी के लिए आने वाले लोगों द्वारा सड़क पर वाहन खड़े करना है। लोगों ने सड़क किनारे सड़क पर पार्किंग पर रोक लगाने, फुटपाथ खाली कराने और प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है, ताकि जाम से लोगों को राहत मिल सके और आपातकालीन वाहनों को निर्बाध रास्ता मिल सके।

श्री अग्रवाल सभा की बैठक में महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव की तैयारियों पर चर्चा करते पदाधिकारी।

अग्रसेन महोत्सव की तैयारियां तेज, संयोजक घोषित

यूनिक समय, मथुरा। श्री अग्रवाल सभा की बैठक में महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव की तैयारियों पर चर्चा हुई। मीडिया प्रभारी सचिन अग्रवाल घी वालों ने बताया कि अंकित बंसल को मुख्य मेला और किशोर मित्तल को मुख्य जयंती संयोजक बनाया गया। शोभायात्रा 12 अक्टूबर को निकलेगी। सात दिवसीय महोत्सव आठ से 15 अक्टूबर तक होगा।

कोकिलावन शनि धाम में आस्था के नाम पर अव्यवस्था

लाखों का चढ़ावा गंदगी और दुर्गंध से जूझ रहे श्रद्धालु

यूनिक समय, मथुरा। नंदगांव रोड स्थित कोकिलावन शनि धाम में इन दिनों श्रद्धा और बदइंतजामी दोनों साथ-साथ चल रही है। शनिदेव के दर्शन के लिए दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को गंदगी और दुर्गंध के बीच दर्शन करने पड़ रहे हैं, जिससे श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हो रही हैं।

मंदिर प्रशासन द्वारा भंडारों के लिए स्थान निर्धारित किया गया है, जहां गंदगी में लोग भंडारा करते हैं। सबसे बड़ी समस्या यह है कि जो भंडारा करके चले जाते हैं वह वहीं पर गंदगी फैला जाते हैं। जूठे पत्तल, दोने, पॉलीथीन वहीं इस स्थान पर फेंक दी जाती हैं। साफ- सफाई न होने के चलते अन्य लोगों को भी गंदगी में भंडारा करना पड़ता है।

एक भंडारे की गंदगी साफ हुए बिना ही उसी गंदगी में दूसरा भंडारा शुरू हो जाता है। भंडारे के आसपास भी दुर्गंध उठती रहती है, जिससे भंडारे में प्रसाद खाने वाले श्रद्धालुओं को भी परेशानी होती है।

भंडारा करने से पूर्व मंदिर कमेटी में रसीद कटवाना अनिवार्य है। रसीद के नाम पर हजारों रुपये वसूले जाते हैं, लेकिन बदले में सफाई, कूड़ेदान या पानी की कोई व्यवस्था नहीं दी जाती। पीने के पानी, शौचालय, बैठने की व्यवस्था के नाम पर मंदिर परिसर में कुछ भी नहीं है। आसपास गंदगी से श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत होती हैं। परिक्रमा मार्ग और मंदिर के आसपास दुकानदार भी दिन भर का कचरा सड़क और नाली में फेंक देते हैं।

श्रद्धालुओं का कहना है कि जिस हिसाब से मंदिर पर लाखों का चढ़ावा आता है, उसी हिसाब से व्यवस्थाएं होना जरूरी हैं। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा न मिलने से भारी परेशानी होती है। श्रद्धालुओं ने मांग की है कि निर्धारित भंडारा स्थल की रोजाना सफाई कराई जाए, गंदगी फैलाने वालों पर जुर्माना लगाया जाए और चढ़ावे की राशि से पीने के पानी, शौचालय और बैठने की समुचित व्यवस्था की जाए।

धरने में सैन्य वर्दी पहनकर न आएं पूर्व सैनिक

छाता चीनी मिल धरने में शामिल पूर्व सैनिकों से अपील

यूनिक समय, मथुरा। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कमांडर जगवीर सिंह ने जनपद के सभी पूर्व सैनिकों से सैन्य वर्दी, पदक और सैन्य पहचान की गरिमा बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिक राजनीतिक दलों के कार्यक्रमों अथवा राजनीतिक और आंदोलनात्मक धरना-प्रदर्शनों में सैन्य वर्दी और पदकों का प्रदर्शन न करें।

विशेष रूप से छाता गन्ना मिल परिसर में चल रहे धरना-प्रदर्शन में शामिल पूर्व सैनिकों से सैन्य वर्दी अथवा सैन्य पहचान का उपयोग नहीं करने को कहा गया है। सैन्य वर्दी में धरने में शामिल पूर्व सैनिकों से ऐसी गतिविधि से अलग होने की अपील की गई है। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने स्पष्ट किया कि इस अपील का उद्देश्य पूर्व सैनिकों के अधिकारों या उनकी समस्याओं को उठाने से रोकना नहीं है। पूर्व सैनिक अपनी मांगों और समस्याओं को विधि सम्मत और लोकतांत्रिक माध्यमों से सक्षम अधिकारियों के समक्ष रख सकते हैं।

जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने कहा है कि सैन्य वर्दी अथवा सैन्य पहचान का उपयोग कर राजनीतिक या आंदोलनात्मक गतिविधि में शामिल होने की स्थिति में उपलब्ध विधिक और प्रशासनिक प्रावधानों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जा सकती है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए, राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

नन्हे स्केटर्स ने मचाई धूम आठ खिलाड़ियों ने जीते पदक

प्रतियोगिता में जीते गए पदकों को दिखाते बाल खिलाड़ी।

नन्हे कदमों की बड़ी उड़ान

कोसी के आठ सितारों ने ट्रैक पर बिखेरा जलवा

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर की मिट्टी के आठ होनहारों ने साबित कर दिया कि हौसले बड़े हों तो उम्र छोटी नहीं लगती। ट्रैक पर जब इन नन्हे स्केटर्स ने रफ्तार पकड़ी तो बड़े-बड़े दिग्गज भी देखते रह गए।

सबसे छोटी सान्वी अग्रवाल ने अंडर-छह में सिल्वर जीतकर बताया कि प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं। युविका शर्मा और मिस्टी शर्मा ने अपनी सधी हुई चाल से सबका दिल जीत लिया। अंडर-10 के वंश, दर्श और अविराज की तिकड़ी ने तो मानो ट्रैक पर तूफान ला दिया। दो-दो पदक जीतकर इन बच्चों ने अपनी मेहनत और लगन का लोहा मनवाया। वहीं, अंडर-15 की नम्रता ने गोल्ड पर कब्जा जमाकर बेटियों की ताकत का एहसास कराया। रुद्र और दक्ष ने भी शानदार खेल दिखाया। ये सभी बच्चे कोसीकलां के असली हीरे हैं, जिन्होंने अपने माता-पिता और गुरुजनों के साथ-साथ पूरे नगर का मान बढ़ाया है। इनकी यह जीत आने वाले समय में जिले के सैकड़ों बच्चों के लिए प्रेरणा बनेगी।

स्वच्छ वायु दिवस पर विद्यार्थियों ने सीखे पर्यावरण संरक्षण के उपाय

कार्यशाला में मौजूद विद्यार्थी, साथ हैं पीआरएफएस के प्रधानाचार्य केबी जद।

स्वच्छ सारथी क्लबों और विद्यालयों में जागरूकता कार्यशालाएं

कचरा पृथक्करण पुनर्चक्रण और प्लास्टिक से बचाव पर जोर

यूनिक समय, मथुरा। स्वच्छ वायु दिवस के उपलक्ष्य में नगर निगम मथुरा-वृंदावन, कार्यदायी संस्था प्लान फाउंडेशन और प्रोजेक्ट मथुरा के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को विभिन्न स्वच्छ सारथी क्लबों और विद्यालयों में पर्यावरण जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित की गईं। जलवायु पर चर्चा अभियान के तहत विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ वायु के महत्व की जानकारी दी गई।

प्लान फाउंडेशन की टीम ने वार्ड 15 के एलबी ग्लोबल स्कूल और सेंट पब्लिक स्कूल, वार्ड 20 के सनराइज पब्लिक स्कूल, वार्ड 38 के स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल और वार्ड 46 के होली एंजल्स पब्लिक स्कूल में कार्यशालाएं कीं। वहीं प्रोजेक्ट मथुरा ने पार्वती राधाकिशन फोमरा स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किया।

विद्यार्थियों को शून्य-कचरा बस्ती, कचरा, जल प्रबंधन और स्रोत पर ही गीले और सूखे कचरे को अलग करने की जानकारी दी गई। ब्रज के घाटों पर मिलने वाले कचरे और उसके समाधान पर भी चर्चा हुई। फूलों से खाद बनाने, अनुपयोगी कपड़ों को नगर निगम के अर्पण कलश में देने, प्लास्टिक बोतल और थैलियों के स्थान पर पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

कचरा घटाने के लिए कम उपयोग, पुनः उपयोग और पुनचक्रण के सिद्धांत समझाए गए। बोतल बैंक, झोला गैंग और प्लास्टिक बैंक की भूमिका की जानकारी देकर विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में पर्यावरण हितैषी आदतें अपनाने का संदेश दिया गया।

न्यायालय कर्मचारियों ने उठाईं तेरह सूत्रीय मांगें

मांगों के समर्थन में खड़े दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ के पदाधिकारी।

लंबित मांगों को लेकर शासन और उच्च न्यायालय को ज्ञापन

यूनिक समय, मथुरा। दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ की बैठक कचहरी परिसर में प्रदेश संघ के आह्वान पर अध्यक्ष रूप किशोर शर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में कर्मचारियों की तेरह सूत्रीय मांगों को प्रदेश सरकार और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष रखने का निर्णय लिया गया। संघ ने प्रशासनिक अधिकारी के समाप्त पद को पुनर्सृजित करने, त्वरित न्यायालयों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण और वेतन वृद्धि की मांग उठाई। इसके अलावा कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधा, मकान किराया भत्ते की दरों में संशोधन, तृतीय श्रेणी कर्मचारियों को वर्दी भत्ता और पदोन्नति नियमावली में आवश्यक बदलाव की मांग की गई।

अध्यक्ष ने बताया कि जिला न्यायालय सेवा नियमावली में संशोधन समेत कई मांगें वर्ष 2021-22 से लंबित हैं। 13 सितंबर को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रतिनिधिमंडल सौंपेगा। बैठक का संचालन सचिव रामनरेश शर्मा ने किया। इस दौरान चंद्र प्रकाश शर्मा, चंद्रहंस दीक्षित, हरेकृष्ण, बबलू, बंटी सिंह, यशु पचौरी, यशपाल सिंह और मनीष कुमार मौजूद रहे।

ज्ञानदीप में बच्चों के लिए सजा नया झूला पार्क

नए झूलों से क्रीड़ा परिसर में बच्चों की बढ़ी रौनक

खेलकूद से शारीरिक संग बौद्धिक विकास पर जोर

यूनिक समय, मथुरा। ज्ञानदीप शिक्षा भारती में विद्यार्थियों के स्वास्थ्यवर्धन और मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए नया झूला पार्क तैयार किया गया है। संस्था के संस्थापक सचिव पद्मश्री मोहन स्वरूप भाटिया ने बताया कि शिक्षा के साथ बच्चों के शारीरिक विकास के लिए खेलकूद की सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। परिसर में हॉकी और क्रिकेट मैदान के साथ बैडमिंटन कोर्ट भी उपलब्ध है।

नए झूला पार्क में बच्चों की आयु और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लाल और पीले रंग के आकर्षक झूले लगाए गए हैं। इनमें घुमावदार फिसलपट्टी, चढ़ने वाले झूले, झूला, सी-सॉ, स्प्रिंग राइडर, मंकी बार और साहसिक झूले शामिल हैं। सुरक्षित खेल क्षेत्र और पर्याप्त स्थान की व्यवस्था की गई है। इनसे बच्चों में शारीरिक सक्रियता के साथ संतुलन, समन्वय, आत्मविश्वास और सामाजिक व्यवहार विकसित होगा। प्रशासनिक अधिकारी आशीष भाटिया, प्राचार्य रजनी नौटियाल और संयोजक अक्षय भाटिया ने कहा कि खेलकूद बौद्धिक विकास का भी माध्यम है।

पार्क में झूलों का आनंद लेते बच्चे।

कृष्ण के रंगों में रंगी युआन इंटरनेशनल की यादगार शाम

युआन इंटरनेशनल के कार्यक्रम में मौजूद पदाधिकारी।

भक्ति, प्रेम और संस्कृति की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

महारास और नंदोत्सव ने बांधा समां, महिला प्रतिभाओं का सम्मान

यूनिक समय, मथुरा। जन्माष्टमी पर युआन इंटरनेशनल की ओर से वृंदावन स्थित होटल रेडिसन में 'श्यामरंग-कृष्ण के अनगिनत रंग' कार्यक्रम आयोजित किया गया। भक्ति, प्रेम, संस्कृति और मनोरंजन से सजे कार्यक्रम में श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन और ब्रज संस्कृति को रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से मंच पर जीवंत किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कान्हा स्वागत से हुआ। 'एक संसारी, दूजा बैरागी' प्रस्तुति में श्रीकृष्ण और भगवान शिव के माध्यम से प्रेम तथा वैराग्य के भाव दर्शाए गए। वहीं 'एक राधा, एक मीरा' में राधा के प्रेम और मीरा की भक्ति का सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण महारास रहा। संगीत, नृत्य और प्रकाश के माध्यम से श्रीकृष्ण के दिव्य रास की मनोहारी प्रस्तुति ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। इसके बाद भजन संध्या में सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। नंदोत्सव के दौरान अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल और रागिनी अग्रवाल ने नंद बाबा और यशोदा के स्वरूप में उपस्थित होकर सदस्यों को शुभकामनाएं दीं और उपहार भेंट किए। मंचीय प्रस्तुतियों में योगदान देने वाली महिला प्रतिभागियों का भी सम्मान किया गया। सचिव हेमेन्द्र ज्योति वर्मा और कोषाध्यक्ष स्वराज नीति देशमा ने उन्हें उपहार देकर उत्साह बढ़ाया। सामूहिक सहभागिता ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

बदलते बाजार के अनुरूप कौशल निखारें विद्यार्थी

डेटाब्रिक्स की ऑपरेशन रिसोर्स मैनेजर भूमिका के साथ छात्र-छात्राएं।

राजीव एकेडमी में अतिथि व्याख्यान में सफलता के गुर बताए

संवाद सत्र में विद्यार्थियों ने विशेषज्ञ से पूछे सवाल

यूनिक समय, मथुरा। प्रतिस्पर्धा के दौर में केवल किताबी ज्ञान के भरोसे करियर में सफलता हासिल करना आसान नहीं है। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई के साथ संवाद कौशल, समस्या समाधान, तार्किक सोच और व्यावहारिक ज्ञान पर भी ध्यान देना चाहिए। बदलते रोजगार बाजार की जरूरतों के अनुसार स्वयं को लगातार अपडेट रखना जरूरी है।

यह बातें डेटाब्रिक्स की संचालन संसाधन प्रबंधक एवं राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट की पूर्व छात्रा भूमिका वार्ष्णेय ने एमबीए के विद्यार्थियों से कहीं। प्रशिक्षण एवं नियोजन विभाग और एमबीए विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एमबीए ब्लॉक स्थित सेमिनार कक्ष में अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। भूमिका वार्ष्णेय ने विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक व्यवस्था, विभागीय दिशा-निर्देशों और उच्च शिक्षा के दौरान विकसित किए जाने वाले जरूरी कौशलों की जानकारी दी।

उन्होंने विद्यार्थी जीवन से लेकर कॉरपोरेट क्षेत्र में नेतृत्वकारी भूमिका तक के अपने अनुभव साझा किए। संचालन प्रबंधन, आधुनिक कार्यस्थल की आवश्यकताओं और सफलता के लिए जरूरी कौशलों पर चर्चा करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से सीखने, अनुशासन बनाए रखने और व्यावहारिक ज्ञान हासिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण और इंटर्नशिप के अवसरों का लाभ उठाने के साथ मजबूत पेशेवर संबंध बनाना भी महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम में संवाद सत्र भी हुआ। विद्यार्थियों ने करियर और कार्यक्षेत्र से जुड़े सवाल पूछे, जिनका भूमिका ने अपने अनुभवों के आधार पर जवाब दिया। संस्थान के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा के साथ उद्योग जगत के विशेषज्ञों का मार्गदर्शन विद्यार्थियों को व्यावहारिक चुनौतियों के लिए तैयार करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत और निरंतर सीखने की आदत विकसित करने का आह्वान किया।

सड़क धंसने से ईंटो से भरा ट्रौला फंसा

यूनिक समय, मथुरा। सदर बाजार के सदर चौराहे पर आज एक बड़ा हादसा होने से बच गया। ईंटों से भरा ट्रौला सड़क धंस जाने के कारण फंस गया। इसके चलते बाजार में आने वाले लोगों को भारी परेशानी हुई। आज प्रातः ईंटों से भरा ट्रौला सदर बाजार के छोटा बाजार चौराहे से जैसे ही निकला। वजन होने के कारण सड़क धंस जाने के कारण ट्राला का पिछला पहिया सड़क धंसने हुए गहरे गड्ढे में फंस गया। अगर बाजार खुला होता तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था। ट्रौले को जेसीबी से निकालने का प्रयास किया गया,लेकिन ट्रौला नहीं निकल सका। इसके बाद ट्रौला में भरी ईंटो को दूसरे ट्रैक्टर में खाली करने के बाद ही ट्रौला को निकाला गया। इसके बाद ही लोगों ने राहत की सांस ली।

मंदिर में घुसकर मूर्तियों से छेड़छाड़ का आरोप, दो युवक पकड़े

हनुमान प्रतिमा को अपवित्र करने का आरोप, शिव परिवार की मूर्तियां हटाईं

विरोध पर महंत की बेटियों से अभद्रता लोगों ने दोनों को पुलिस को सौंपा

यूनिक समय, आगरा। आगरा के एत्मादुद्दौला थाना क्षेत्र के कछपुरा में रविवार रात करीब 40 साल पुराने मंदिर में दो युवकों पर देव प्रतिमाओं के साथ आपत्तिजनक कृत्य करने और उन्हें क्षतिग्रस्त करने के प्रयास का आरोप लगा। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में तनाव का माहौल बन गया। आक्रोशित लोगों ने दोनों युवकों को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले करने से पहले उनके साथ मारपीट भी की।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, दोनों युवक दोपहर के समय मंदिर में पहुंचे थे। आरोप है कि उन्होंने हनुमान जी की प्रतिमा के साथ आपत्तिजनक हरकत की। इसके बाद शिव परिवार की प्रतिमाओं को उनके स्थान से हटाकर नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। मंदिर के महंत हकीम सिंह की बेटियों ने इसका विरोध किया तो युवकों पर उनके साथ अभद्रता करने का भी आरोप है। शोर सुनकर आसपास के लोग मंदिर में पहुंच गए और दोनों युवकों को पकड़ लिया।

लोगों के हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने मंदिर का निरीक्षण करने के साथ प्रतिमाओं की स्थिति भी देखी। पुलिस के अनुसार, मौके पर किसी भी प्रतिमा के खंडित होने की पुष्टि नहीं हुई है। कुछ प्रतिमाएं अपने स्थान से हटी हुई मिलीं, लेकिन वे सुरक्षित हैं।

घटना के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता थाने पहुंचे।

करीब एक घंटे तक हंगामा कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई।

महंत हकीम सिंह ने भी सख्त कार्रवाई की मांग की है। सीपी छत्ता श्वेता वर्मा ने बताया कि दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी दस्तावेज तैयार कर सरकारी जमीन बेचने का आरोप

सदर तहसीलदार ने 16 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया

यूनिक समय, मथुरा। सदर बाजार थाना पुलिस ने सरकारी जमीन से संबंधित फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसे बेचने और अपने नाम कराने के आरोप में 16 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सदर बाजार थाने में यह प्रकरण तहसीलदार अमित त्रिपाठी ने दर्ज कराया है।

सदर तहसीलदार अमित त्रिपाठी ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया गया है कि कुछ लोगों द्वारा सरकारी भूमि को फर्जी तरीके से निजी संपत्ति दर्शाकर उसके कागजात तैयार किए गए और अलग-अलग व्यक्तियों के नाम इकरारनामे किए गए। रिपोर्ट में ग्राम अडूकी, हाईवे, मथुरा, तारसी, हाईवे, मथुरा, समसपुर, रिफाइनरी, मथुरा समेत विभिन्न स्थानों के पते दर्ज हैं।

मामले में नामजद लोगों में नेम सिंह, गिरधर देवी, दिलीप, हत्वीर, श्याम सिंह, योगेन्द्र सिंह, अनारी, चूरा, चन्दा, बंगाली, नारायण, रतीराम, राजू, राहुल, डोरी लाल और हरप्रसाद शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी भूमि से संबंधित कई खसरा नंबरों का उल्लेख भी किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से भूमि के सौदे किए गए, जिससे सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई गई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2) और 61(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विवेचना की जिम्मेदारी उपनिरीक्षक मनोज कुमार को सौंपी गई है।

पेड़ पर लटका मिला छात्र का शव पिता ने जताई हत्या की आशंका

मंदिर के पास मिला कक्षा नौ के छात्र का शव, जांच में जुटी पुलिस

पिता ने जमीन विवाद में हत्या का आरोप लगाया पोस्टमार्टम से खुलेगा राज

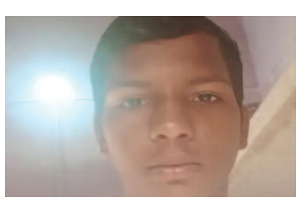

यूनिक समय, हाथरस। हाथरस के हसायन कोतवाली क्षेत्र के करारमई गांव में 15 वर्षीय छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सोमवार देर शाम घर से निकले छात्र का शव गांव के पास मंदिर परिसर में पेड़ पर लटका मिला। परिजन उसे नीचे उतारकर चिकित्सक के पास ले गए, जहां जांच के बाद मृत घोषित कर दिया गया। मृतक के पिता ने जमीन विवाद को लेकर हत्या की आशंका जताई है।

करारमई निवासी यशवेंद्र का बेटा कान्हा इंटर कॉलेज में कक्षा नौ का छात्र था। परिजनों के अनुसार वह सोमवार देर शाम घर से बाहर गया था। काफी देर तक वापस नहीं आने पर परिवार ने उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान मंदिर के पास पेड़ पर उसका शव लटका मिला। परिजन तत्काल उसे नीचे उतारकर अस्पताल ले गए, लेकिन चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

इसके बाद परिजन शव को घर ले आए और मंगलवार सुबह पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक के पिता ने गांव के कुछ लोगों पर जमीन विवाद के चलते बेटे की हत्या करने का आरोप लगाया है। सीओ सिकंदराराऊ अमित पाठक ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट होगी।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, दो सवार गंभीर

कारकोली मोड़ पर हुआ हादसा, घायलों को आगरा भेजा गया

बाजार से घर लौट रहे थे परमार, सामने से आई बाइक

यूनिक समय,आगरा। आगरा के पिनाहट में सोमवार को कारकोली मोड़ के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तत्काल पिनाहट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें आगरा के लिए रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार कारकोली निवासी परमार सिंह (60) पुत्र छविराम सोमवार को जरूरी सामान लेने बाजार गए थे। सामान खरीदने के बाद वह मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान कारकोली मोड़ के पास पिनाहट की ओर से आ रही मोटरसाइकिल से उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। दूसरी मोटरसाइकिल बाबरपुर निवासी सचिन पुत्र रामकिशन चला रहे थे। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। गंभीर स्थिति को देखते हुए दोनों को आगरा रेफर किया गया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

ट्रैक्टर खरीदकर कमाई कर सकेंगे युवा, सरकार देगी ऋण

ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की पहल

यूनिक समय, मथुरा। ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए संचालित सीएम युवा उद्यमी योजना का दायरा बढ़ाया गया है। अब इस योजना के तहत युवा ट्रैक्टर खरीदकर कृषि कार्य करने के साथ उसे किराये पर चलाकर भी आमदनी कर सकेंगे। योजना में ट्रैक्टर के अलावा सोलर आटा चक्की, आटा चक्की, मसाला चक्की, जनसेवा केंद्र, टेंट हाउस, बुटीक और मोबाइल मरम्मत केंद्र जैसे काम शुरू करने के लिए भी ऋण की सुविधा दी जा रही है।

उद्योग उपायुक्त चंद्रभान सिंह ने बताया कि योजना का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। इसके तहत पांच लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। योजना में बिना गारंटी ऋण देने की व्यवस्था है। सरकार की ओर से ब्याज मुक्त ऋण के साथ 10 प्रतिशत अनुदान भी दिया जा रहा है। ऋण की राशि आसान किश्तों में चुकानी होगी।उन्होंने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक की आयु 21 से 40 वर्ष के बीच और न्यूनतम शैक्षिक योग्यता आठवीं पास होना आवश्यक है। इच्छुक युवा ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिले में अब तक 4000 युवाओं ने योजना के लिए आवेदन किया है। चालू वित्तीय वर्ष में 2500 युवाओं को योजना से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें अब तक काफी आवेदकों को ऋण वितरित किया जा चुका है। वहीं, युवाओं को ट्रैक्टर खरीदने के लिए ऋण भी मिल चुका है। उद्योग उपायुक्त चंद्रभान के अनुसार, सोलर आटा चक्की, जनसेवा केंद्र, टेंट हाउस, बुटीक, मोबाइल मरम्मत केंद्र और ट्रैक्टर सहित कई काम शुरू करने के लिए युवाओं को सीएम युवा उद्यमी योजना योजना से जोड़ा जा रहा है।

कोसीकलां में मारपीट के मामले में दो अभियुक्तों को सात वर्ष का कारावास

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते न्यायालय ने मारपीट के मामले में दो अभियुक्तों को सात- सात वर्ष के कारावास और 11-11 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।थाना कोसीकलां में अपराध संख्या 745/2021 में अभियोग पंजीकृत किया गया था। अभियोजन के अनुसार अभियुक्तों ने वादी के पुत्रों के साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की नीयत से मारपीट कर उन्हें घायल किया था। मामले में गुणवत्तापूर्ण विवेचना और लोक अभियोजक की प्रभावी पैरवी के आधार पर एडीजे-03 मथुरा न्यायालय ने सात सितंबर को अभियुक्त नरेश पुत्र नारायन और बॉबी पुत्र नारायन, निवासी ग्राम फालैन थाना कोसीकलां को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई।

बिजली चोरी पर छापा, सात उपभोक्ता पकड़े गए

कोटा रोड और गिजरौली के अधिक लाइन हानि वाले क्षेत्रों में कार्रवाई

तीन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई, चार पर प्राथमिकी की तैयारी

यूनिक समय, हाथरस। हाथरस में बिजली चोरी और लाइन हानि पर अंकुश लगाने के लिए विद्युत विभाग ने सोमवार को शहर के चिन्हित क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाया। कार्यकारी अभियंता के निर्देश पर कोटा रोड और गिजरौली उपकेंद्र से जुड़े इलाकों में विभागीय टीमों ने घरों और प्रतिष्ठानों के बिजली कनेक्शनों की जांच की। इस दौरान अलग-अलग तरीकों से बिजली चोरी करते सात उपभोक्ता पकड़े गए।

कोटा रोड उपकेंद्र के अंतर्गत अधिक लाइन हानि वाले क्षेत्रों में टीम ने कई स्थानों पर बिजली कनेक्शनों की जांच की। अधिकारियों के अनुसार जांच के दौरान तीन उपभोक्ता अवैध तरीके से बिजली का उपयोग करते मिले। विभाग ने उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

इसी क्रम में गिजरौली उपकेंद्र के टाउन-3 फीडर क्षेत्र में भी विशेष जांच अभियान चलाया गया। यहां चार उपभोक्ताओं को बिजली चोरी करते हुए पकड़ा गया।

विभाग ने सभी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अभियान के दौरान बिजली विभाग की टीम ने मीटर, कनेक्शन और विद्युत आपूर्ति से जुड़े अन्य बिंदुओं की जांच की। कार्रवाई में कनिष्ठ अभियंता ललित कुमार यादव, आयुष कंसल, ऋतु शर्मा और मनीष कुमार के अलावा राधेश्याम सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

विद्युत अधिकारियों ने बताया कि अधिक लाइन हानि वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा। अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते पकड़े जाने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ विद्युत अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। विभाग का कहना है कि अभियान का उद्देश्य बिजली चोरी रोकने के साथ विद्युत व्यवस्था में होने वाली अनावश्यक हानि को कम करना है।

ट्रक के पीछे चल रहा ट्रेलर टकराया, चालक घायल

यूनिक समय, फतेहपुर सीकरी। आगरा-भरतपुर मार्ग पर बालाजी बाड़मेर ढाबे के पास तीन सितंबर की रात सड़क हादसे में ट्रेलर चालक घायल हो गया। तेज रफ्तार ट्रक के अचानक ब्रेक लगाने से पीछे चल रहा ट्रेलर उससे जा टकराया। हादसे में चालक के दोनों पैरों में फ्रैक्चर हो गया। जानकारी के अनुसार राजस्थान निवासी चालक ट्रेलर लेकर राजसमंद से कानपुर जा रहा था। रात करीब 11 बजे ढाबे के पास आगे चल रहे ट्रक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। चालक संभल पाता, इससे पहले ट्रेलर ट्रक से भिड़ गया। हादसे के बाद परिजन घायल को आगरा के देव अस्पताल ले गए, जहां उसका उपचार चल रहा है। घायल के पिता ने पुलिस को शिकायत देकर ट्रक चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आराम के नाम पर सेहत से न करें खिलवाड़

सप्ताहांत की ये आदतें बढ़ा सकती हैं कैंसर का खतरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। शादी, पार्टी या सप्ताहांत पर दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताना हर किसी को पसंद होता है। लेकिन कई लोग मौज–मस्ती के नाम पर शराब, सिगरेट और गुटखे का सेवन करने लगते हैं। कुछ लोगों को लगता है कि वे इन चीजों का रोजाना सेवन नहीं करते, इसलिए इससे स्वास्थ्य को ज्यादा नुकसान नहीं होगा। हालांकि, चिकित्सकों के अनुसार तंबाकू का कभी–कभार सेवन भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं माना जाता और धीरे–धीरे यह आदत गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती है।

वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ डॉ. अक्षत मलिक के मुताबिक, मुंह के कैंसर के प्रमुख कारणों में तंबाकू का सेवन शामिल है। गुटखा, खैनी, जर्दा और तंबाकू वाला पान जैसे उत्पाद मुंह की अंदरूनी परत और मसूड़ों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। वहीं, सिगरेट और बीड़ी का धुआं भी मुंह और सिर–गर्दन के कैंसर का खतरा बढ़ा सकता है। खासकर शराब और तंबाकू का एक साथ सेवन अधिक चिंताजनक माना जाता है। शराब मुंह की सतह को प्रभावित कर सकती है और तंबाकू में मौजूद हानिकारक रसायनों के संपर्क को बढ़ा सकती है।

कई युवा दोस्तों के साथ इसे केवल सामाजिक आदत मानकर कभी–कभार धूम्रपान या तंबाकू का सेवन करते हैं। लेकिन यही आदत धीरे–धीरे नियमित सेवन में बदल सकती है। इसलिए सप्ताहांत या किसी विशेष अवसर पर भी तंबाकू का सेवन करने से बचना बेहतर है।

मुंह के कैंसर के कुछ शुरुआती संकेतों को बिल्कुल नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि मुंह में कोई छाला दो सप्ताह से अधिक समय तक ठीक न हो, सफेद या लाल धब्बा दिखाई दे, मुंह खोलने या चबाने में परेशानी हो, लगातार दर्द या जलन रहे, जीभ या मुंह में गांठ अथवा मोटापन महसूस हो, निगलने में परेशानी हो, गर्दन में बिना दर्द वाली गांठ दिखाई दे या आवाज लंबे समय तक बदली रहे, तो चिकित्सक से जांच करानी चाहिए। तंबाकू की आदत छुड़ाने में परिवार की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। किसी व्यक्ति को शर्मिंदा करने के बजाय प्यार और समझदारी से उसे इस आदत के नुकसान समझाने चाहिए। सप्ताहांत का आनंद लेने के लिए शराब और तंबाकू जरूरी नहीं हैं। इसके बजाय व्यायाम, साइकिल चलाना, तैराकी, नृत्य, घूमना या परिवार के साथ समय बिताने जैसी गतिविधियां अपनाई जा सकती हैं। इससे मनोरंजन के साथ स्वास्थ्य भी बेहतर बना रहेगा।

दूध उबलकर गैस पर गिर जाता है तो अपनाएं ये आसान टिप्स

यूनिक समय, नई दिल्ली। रसोई में दूध उबालते समय थोड़ी सी लापरवाही भारी पड़ सकती है। कई बार दूध अचानक उबलकर बर्तन से बाहर गिरने लगता है और गैस चूल्हा गंदा हो जाता है। इससे सफाई का काम बढ़ जाता है। अगर आपके साथ भी अक्सर ऐसा होता है तो कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर इस परेशानी से काफी हद तक बचा जा सकता है।

दूध उबालते समय सबसे आसान उपाय है कि बर्तन के ऊपर एक बड़ी लकड़ी की चम्मच या कलछी आड़ी रख दें। दूध जब ऊपर उठता है तो लकड़ी के संपर्क में आने पर झाग टूटने लगता है और दूध बाहर निकलने की संभावना कम हो जाती है। इसके अलावा दूध गर्म करने से पहले बर्तन के ऊपरी अंदरूनी किनारों पर थोड़ा सा घी या मक्खन लगा सकते हैं। इसकी चिकनाई झाग को तेजी से ऊपर आने से रोकने में मदद करती है। कुछ लोग बर्तन की तली में एक छोटी साफ स्टील की कटोरी रखकर भी दूध उबालते हैं। इससे दूध में हलचल बनी रहती है और उबाल आने पर बुलबुले जल्दी टूट सकते हैं। हालांकि इस उपाय में कटोरी को अच्छी तरह साफ रखना जरूरी है। अगर दूध तेजी से ऊपर उठने लगे तो गैस की आंच तुरंत कम कर दें। जरूरत पड़ने पर चम्मच से थोड़ा पानी लेकर दूध के ऊपर हल्के छींटे भी डाल सकते हैं, जिससे तापमान कुछ कम हो जाता है। सबसे जरूरी बात यह है कि दूध को तेज आंच पर उबालने के बजाय धीमी या मध्यम आंच पर गर्म करें और बीच–बीच में चम्मच से चलाते रहें। इससे दूध के उफनकर गिरने की संभावना काफी कम हो जाती है।

त्वचा की चमक बढ़ाने के लिए आहार में शामिल करें सी बकथॉर्न का रस

जानिए इसके फायदे और सेवन का तरीका

यूनिक समय, नई दिल्ली। आजकल हर कोई साफ, स्वस्थ और चमकदार त्वचा चाहता है। इसके लिए लोग कई तरह की क्रीम, सीरम और त्वचा की देखभाल करने वाले उत्पादों का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, केवल बाहर से त्वचा की देखभाल करना ही पर्याप्त नहीं है। स्वस्थ और चमकदार त्वचा के लिए शरीर को अंदर से पर्याप्त पोषण मिलना भी जरूरी है। आयुर्वेदिक चिकित्सक के अनुसार, त्वचा शरीर की अंदरूनी सेहत का आईना होती है। जब पाचन तंत्र ठीक रहता है और शरीर को जरूरी पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में मिलते हैं, तो इसका सकारात्मक असर त्वचा पर भी दिखाई दे सकता है। ऐसे में सी बकथॉर्न के रस को अपने आहार का हिस्सा बनाया जा सकता है। सी बकथॉर्न नारंगी रंग का एक छोटा फल है, जिसे कई पोषक तत्वों से भरपूर माना जाता है। इसमें विटामिन सी, विटामिन ई और विटामिन ए के साथ कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। इसके अलावा इसमें ओमेगा–3, ओमेगा–6, ओमेगा–7 और ओमेगा–9 वसीय अम्ल भी मौजूद होते हैं। यही पोषक तत्व सी बकथॉर्न को स्वास्थ्य के लिए उपयोगी पेय बनाने में मदद करते हैं। सी बकथॉर्न में मौजूद

एंटीऑक्सीडेंट शरीर को मुक्त कणों से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद कर सकते हैं। वहीं, इसमें मौजूद विटामिन सी त्वचा के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है और शरीर में कोलेजन के निर्माण में भी भूमिका निभाता है। इसलिए संतुलित आहार के हिस्से के रूप में सी बकथॉर्न का रस त्वचा को जरूरी पोषण देने में मदद कर सकता है। सी बकथॉर्न का रस बनाने के लिए सबसे पहले फलों को अच्छी तरह धो लें। इसके बाद इन्हें मिक्सर में डालकर अच्छी तरह पीस लें। तैयार मिश्रण को छन्नी की सहायता से छान लें, ताकि बीज और ठोस हिस्सा अलग हो जाए। अब इसमें जरूरत के अनुसार थोड़ा पानी और स्वाद के लिए शहद मिलाकर इसका सेवन किया जा सकता है। इसे सुबह के समय लिया जा सकता है।

हालांकि, केवल सी बकथॉर्न के रस के सेवन से त्वचा रातोंरात चमकदार नहीं हो सकती। स्वस्थ त्वचा के लिए संतुलित आहार, पर्याप्त नींद, नियमित व्यायाम और तनाव को नियंत्रित करना भी जरूरी है। इसके साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए, ताकि शरीर में पानी की कमी न हो। मौसमी फल और सब्जियों को आहार में शामिल करना भी फायदेमंद हो सकता है। किसी बीमारी या दवा के सेवन की स्थिति में सी बकथॉर्न का रस लेने से पहले चिकित्सक की सलाह जरूर लें।

झील और रोमांचक ट्रेक से जुड़ा है सफर

हिमालय की गोद में बसा है श्रीकृष्ण का अनोखा मंदिर

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत पहाड़ियों के बीच भगवान श्रीकृष्ण का एक ऐसा मंदिर है, जहां पहुंचना अपने आप में रोमांचक अनुभव माना जाता है। किन्नौर जिले के युल्ला कांडा में स्थित यह मंदिर समुद्र तल से काफी ऊंचाई पर बना है। मंदिर तक पहुंचने के लिए पहाड़ी रास्तों पर पैदल यात्रा करनी पड़ती है। यहां मंदिर के पास स्थित सुंदर झील और उससे जुड़ी स्थानीय मान्यताएं इस स्थान को और खास बनाती हैं। जन्माष्टमी के अवसर पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं और धार्मिक आस्था के साथ हिमालय की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेते हैं।

स्थानीय मान्यता के अनुसार, पांडवों ने अपने वनवास के दौरान इस क्षेत्र में समय बिताया था। कहा जाता है कि युधिष्ठिर ने यहां भगवान श्रीकृष्ण का ध्यान किया था, जिसके बाद उन्हें भगवान के दर्शन हुए। इसी धार्मिक मान्यता के कारण युल्ला कांडा को कुछ लोग स्वर्ग का द्वार भी कहते हैं। हालांकि, इन मान्यताओं का कोई ऐतिहासिक या वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है और इन्हें स्थानीय आस्था के रूप में देखा जाता है।

युल्ला कांडा की सबसे खास परंपराओं में से एक जन्माष्टमी के दौरान निभाई जाती है। इस दिन स्थानीय लोग किन्नौरी टोपी को उल्टा करके मंदिर के पास स्थित झील में प्रवाहित करते हैं। मान्यता है कि यदि टोपी पानी में डूबे बिना झील के दूसरे किनारे तक पहुंच जाती है, तो इसे मनोकामना पूरी होने और आने वाला समय शुभ रहने का संकेत माना जाता है। यह परंपरा श्रद्धालुओं के बीच काफी लोकप्रिय है। युल्ला कांडा में जन्माष्टमी उत्सव की परंपरा कई सदियों पुरानी बताई जाती है। कहा जाता है कि बुशहर रियासत के समय से चली आ

रही यह परंपरा आज एक बड़े धार्मिक आयोजन का रूप ले चुकी है।

किन्नौर के अलावा हिमाचल प्रदेश के दूसरे इलाकों से भी श्रद्धालु जन्माष्टमी के दौरान यहां पहुंचते हैं। मंदिर तक जाने का लोकप्रिय रास्ता युल्ला गांव से शुरू होता है। यहां से आगे पहाड़ी रास्तों पर पैदल चलकर मंदिर तक पहुंचना पड़ता है। रास्ते में हिमालय के मनोरम दृश्य, ऊंचे पहाड़ और प्राकृतिक वातावरण यात्रियों के अनुभव को यादगार बना देते हैं।

अगर आप दिल्ली से युल्ला कांडा जाने की योजना बना रहे हैं, तो सड़क मार्ग से युल्ला खास तक करीब 550 से 600 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ सकती है। यातायात और मौसम की स्थिति के अनुसार इस सफर में लगभग 14 से 16 घंटे लग सकते हैं। दिल्ली से चंडीगढ़, शिमला, नारकंडा, रामपुर और टापरी होते हुए युल्ला खास पहुंचा जा सकता है। इसके बाद आगे की यात्रा पैदल करनी होती है। बस से रिकांग पियो पहुंचकर भी आगे का सफर किया जा सकता है।

युल्ला कांडा की यात्रा के लिए मई से नवंबर के बीच का समय मौसम के लिहाज से बेहतर माना जाता है, लेकिन ऊंचाई वाले इलाके में मौसम तेजी से बदल सकता है। भारी बर्फबारी के दौरान रास्ते बंद भी हो सकते हैं। इसलिए यात्रा से पहले मौसम की जानकारी जरूर लें। पहाड़ी क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क सीमित हो सकता है, इसलिए रास्ते का नक्शा पहले से डाउनलोड करना बेहतर है। साथ में पर्याप्त पानी, ग्लूकोज, ओआरएस और सूखे मेवे रखें। रामपुर या टापरी में ईंधन भरवा लेना भी सुविधाजनक रहेगा। यात्रा के दौरान स्थानीय प्रशासन और मौसम विभाग की सलाह का पालन करना जरूरी है।

सम्पादकीय

थोड़ा सा प्यार, थोड़ी सी अच्छाई और बड़ा असर

बचपन में भूख का कोई हिसाब नहीं होता था। न कैलोरी की चिंता, न प्रोटीन का गणित और न ही यह सवाल कि खाने में कितने पोषक तत्व हैं। खेलते–खेलते भूख लगी तो घर की ओर दौड़े और रसोई में जो मिला, उठाकर फिर मैदान में लौट गए। दादी–नानी के हाथों से मिली छोटी–सी चीज भी उस समय किसी बड़ी दावत से कम नहीं लगती थी। शायद उस भोजन में स्वाद के साथ वह प्यार भी मिला होता था, जिसका असर आज तक याद है।

पवन गौतम
संपादक

दाल से बनी वड़ा इसका शानदार उदाहरण है। चने की दाल और दूसरी दालों से तैयार यह साधारण नाश्ता बच्चों के लिए स्वादिष्ट भी था और ऊर्जा देने वाला भी। हम एक खाते, दूसरा जेब में रखते और खेल में वापस पहुंच जाते। तब यह नहीं जानते थे कि हमारी नानी ने स्वाद के बहाने शरीर के लिए जरूरी पोषण भी हमारी थाली में रख दिया है।

यही बात हमें यह समझाती है कि अच्छी चीज का असर उसकी मात्रा से नहीं, उसके महत्व से तय होता है। बचपन में लोकप्रिय कार्टून पात्र पोपेये को पालक खाते ही ताकतवर होते देखना भी इसी सोच का मजेदार उदाहरण था। कहानी भले ही कल्पना पर आधारित थी, लेकिन संदेश सीधा था–शरीर को ताकत देने वाली चीज थोड़ी मात्रा में भी उपयोगी हो सकती है।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

हमारी पारंपरिक रसोई इस समझ को वर्षों से अपनाती आई है। पराठे में पनीर, पोहे में मूंगफली, सूप में दाल और डोसे में बेसन मिलाना इसी सोच का हिस्सा है। बच्चों को अलग से पोषण का पाठ पढ़ाने के बजाय स्वादिष्ट भोजन के भीतर ही जरूरी तत्व पहुंचा देना हमारी माताओं की सहज समझ थी।

आज बाजार में स्वास्थ्य और पोषण के नाम पर अनेक उत्पाद मौजूद हैं। आकर्षक पैकेट और बड़े–बड़े दावों के बीच हमें यह याद रखना चाहिए कि पोषण की कई बुनियादी चीजें हमारी रसोई में पहले से मौजूद हैं। जरूरत केवल उन्हें सही मात्रा और सही समय पर भोजन का हिस्सा बनाने की है।

असल सीख भोजन से आगे जाती है। प्यार हो, प्रोत्साहन हो या किसी के लिए किया गया छोटा–सा अच्छा काम–हर चीज का असर बड़ा होने के लिए विशाल होना जरूरी नहीं। कई बार छोटी–सी मात्रा में मिली अच्छाई ही मनुष्य को भीतर से मजबूत बनाने के लिए पर्याप्त होती है।

नजरिया

साइकिल की सवारी में अखिलेश का नया दांव, डिंपल को आगे करने के मायने

बोध प्रकाश सगुणी

उत्तर प्रदेश की राजनीतिं में चुनावी तैयारियां अक्सर मतदान की तारीख घोषित होने से बहुत पहले शुरू हो जाती हैं। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को अभी समय है, लेकिन राजनीतिक दल अपने–अपने सामाजिक समीकरण साधने में जुट गए हैं। समाजवादी पार्टी भी अपनी पारंपरिक राजनीति को नए रंग–रूप में पेश करने की कोशिश कर रही है। पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल सत्ता में वापसी की नहीं, बल्कि सपा की उस छवि को बदलने की भी है, जिसे विरोधी लंबे समय से एक सीमित सामाजिक आधार और आक्रामक राजनीतिक शैली से जोड़ते रहे हैं। अखिलेश की मौजूदा राजनीति में एक तरफ पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग को मजबूत करने की कोशिश दिखाई देती है, तो दूसरी तरफ ब्राह्मणों और व्यापक हिंदू समाज तक पहुंच बनाने के संकेत भी मिल रहे हैं। धार्मिक–सांस्कृतिक प्रतीकों को लेकर सपा की बदली हुई भाषा इसी रणनीति का हिस्सा मानी जा सकती है। सवाल यह है कि क्या यह बदलाव केवल चुनावी प्रयोग है या समाजवादी पार्टी वास्तव में अपनी राजनीतिक पहचान को नए सिरे से गढ़ रही है?

सपा की राजनीति में एक और बदलाव इन दिनों चर्चा में है। वह है डिंपल यादव की बढ़ती सक्रियता। अखिलेश यादव जहां भाजपा पर सीधे और तीखे राजनीतिक हमलों के लिए जाने जाते हैं, वहीं डिंपल की शैली अपेक्षाकृत संयमित रही है। संसद में उनकी सक्रियता बढ़ी है और सार्वजनिक मंचों पर उनकी मौजूदगी भी पहले के मुकाबले ज्यादा दिखाई दे रही है। राजनीति में चेहरा केवल व्यक्ति नहीं होता, वह संदेश भी होता है। अखिलेश का चेहरा संघर्ष, विपक्ष और राजनीतिक टकराव का संदेश देता है तो डिंपल अपेक्षाकृत सहज, शांत और संवादपरक राजनीति का प्रतिनिधित्व करती दिखाई देती हैं। यही अंतर सपा के लिए उपयोगी हो सकता है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में महिला मतदाताओं की भूमिका लगातार बढ़ी है। कोई भी दल अब आधी आबादी को नजरअंदाज करके सत्ता की राह आसान नहीं कर सकता। ऐसे में डिंपल यादव सपा के लिए महिला मतदाताओं तक पहुंच बनाने वाला महत्वपूर्ण चेहरा बन सकती हैं। हालांकि अभी उन्हें मुख्यमंत्री पद का संभावित चेहरा मान लेना जल्दबाजी होगी, लेकिन उनकी बढ़ती राजनीतिक भूमिका को केवल संयोग भी नहीं कहा जा सकता। अखिलेश यादव ने पिछले चुनावों में पीडीए को सपा की राजनीति का प्रमुख आधार बनाया। इसका उद्देश्य पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक मतदाताओं को एक साझा राजनीतिक मंच पर लाना था। इस रणनीति ने सपा को चुनावी तौर पर लाभ भी पहुंचाया। मगर 2027 की लड़ाई के लिए अखिलेश जानते हैं कि केवल पुराने समीकरणों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। इसीलिए अब पीडीए की राजनीतिक परिधि को विस्तार देने के संकेत मिल रहे हैं। ब्राह्मण समाज तक पहुंच बनाने की कोशिश इसी कड़ी का हिस्सा है। उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण मतदाता संख्या के साथ–साथ राजनीतिक प्रभाव के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। भाजपा के मजबूत सामाजिक आधार में इस वर्ग की भूमिका रही है। ऐसे में सपा अगर इसमें सेंध लगाने की कोशिश करती है तो इसका सीधा असर प्रदेश के राजनीतिक समीकरणों पर पड़ सकता है।

लेकिन चुनौती भी कम नहीं है। किसी एक वर्ग को जोड़ने की कोशिश में दूसरे वर्ग के नाराज होने का खतरा हमेशा बना रहता है। सपा को यह संतुलन बेहद सावधानी से साधना होगा कि ब्राह्मणों तक पहुंच बनाने की कोशिश उसके पारंपरिक पीडीए आधार को कमजोर न करे। समाजवादी पार्टी की राजनीति में हिंदू प्रतीकों की बढ़ती मौजूदगी भी बदलाव का संकेत है। मंदिर, धार्मिक आयोजन, सनातन और हिंदू सांस्कृतिक प्रतीकों को लेकर पार्टी की भाषा पहले के मुकाबले ज्यादा सहज दिखाई दे रही है। इसे भाजपा की राजनीति की नकल कहना आसान होगा, लेकिन सपा की कोशिश इससे अलग राजनीतिक स्थान बनाने की भी हो सकती है।

अखिलेश शायद यह समझ चुके हैं कि उत्तर प्रदेश का राजनीतिक समाज बदल चुका है। मतदाता जातीय पहचान के साथ धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को भी महत्व देता है। इसलिए सामाजिक न्याय की राजनीति के साथ धार्मिक–सांस्कृतिक संवाद बनाए रखना सपा के लिए आवश्यक हो गया है। हालांकि यही रणनीति पार्टी के लिए सबसे कठिन परीक्षा भी साबित हो सकती है। भाजपा के सामने हिंदुत्व की राजनीति का अपना मजबूत ढांचा है। सपा अगर उसी मैदान में उतरती है तो उसे यह बताना होगा कि उसका मॉडल क्या अलग है। केवल प्रतीकों के सहारे राजनीतिक धारणा बदलना आसान नहीं होगा। डिंपल की भूमिका क्यों अहम हो सकती है? यहीं डिंपल यादव की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। सपा को यदि अपनी पुरानी छवि से बाहर निकलना है तो उसे केवल नीतियों में नहीं, सार्वजनिक व्यवहार और राजनीतिक संवाद में भी बदलाव दिखाना होगा। डिंपल का संयमित व्यक्तित्व इसमें मददगार हो सकता है।

महिला मतदाताओं के बीच अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना सपा के लिए जरूरी है। भाजपा ने महिलाओं को केंद्र में रखकर कई योजनाओं और राजनीतिक अभियानों के जरिए मजबूत आधार तैयार किया है। ऐसे में विपक्ष के पास केवल सरकार की आलोचना करने का विकल्प नहीं है। उसे महिलाओं के लिए अपना भरोसेमंद राजनीतिक संदेश भी देना होगा। डिंपल इस संदेश का चेहरा बन सकती हैं। मगर इसके लिए पार्टी को उन्हें केवल चुनावी प्रचार तक सीमित रखने के बजाय संगठन और नीति के स्तर पर भी अधिक जिम्मेदारी देनी होगी। यदि उनकी भूमिका बढ़ती है तो वह सपा की राजनीति में अखिलेश के समानांतर नहीं, बल्कि उनके राजनीतिक संदेश को नरम और व्यापक बनाने वाली भूमिका निभा सकती हैं। फिलहाल सपा के सामने कई सवाल हैं। क्या ब्राह्मण मतदाता वास्तव में भाजपा से दूर होंगे? क्या पीडीए का आधार और मजबूत होगा? क्या दलित मतदाताओं के बीच सपा अपनी पकड़ बढ़ा पाएगी? क्या महिला मतदाता सपा को नए नजरिए से स्वीकार करेंगी? और सबसे बड़ा सवाल यह कि क्या पार्टी अपनी पुरानी छवि को बदलने में सफल होगी? अखिलेश यादव के सामने चुनौती इसलिए भी बड़ी है क्योंकि उत्तर प्रदेश में सत्ता विरोधी लहर से ज्यादा सामाजिक गठबंधन चुनाव जिताते हैं। बूथ तक पहुंचने वाला संगठन, उम्मीदवारों का चयन, स्थानीय समीकरण और मतदाताओं का भरोसा–इन सबका तालमेल जरूरी होगा। इस लिहाज से अखिलेश की राजनीति में डिंपल का बढ़ता कद केवल परिवार की राजनीतिक भूमिका का विस्तार नहीं माना जाना चाहिए। यह सपा की छवि और संदेश को व्यापक बनाने की रणनीति भी हो सकती है। अखिलेश की आक्रामक राजनीतिक शैली और डिंपल का संयमित चेहरा यदि एक साथ प्रभावी ढंग से सामने आते हैं तो पार्टी के पास मतदाताओं के अलग–अलग वर्गों से संवाद करने की अतिरिक्त क्षमता होगी। लेकिन चुनावी राजनीति में चेहरे और नारों से आगे भी बहुत कुछ होता है। सामाजिक समीकरण तभी वोट में बदलते हैं जब संगठन मजबूत हो और मतदाता को यह भरोसा हो कि बदलाव उसके हित में होगा। इसलिए 2027 की लड़ाई में सपा की असली परीक्षा यही होगी कि वह अपनी नई राजनीतिक सजावट को जमीन पर कितनी मजबूती से उतार पाती है। फिलहाल इतना जरूर कहा जा सकता है कि अखिलेश यादव अपनी पुरानी साइकिल को नए राजनीतिक पहियों के साथ दौड़ाने की तैयारी में हैं। पीडीए उसका आधार है, ब्राह्मणों तक पहुंच उसकी नई कोशिश, हिंदू प्रतीकों से संवाद उसका बदला हुआ अंदाज और डिंपल यादव उसका नरम राजनीतिक चेहरा। अब देखना यह है कि यह नया संतुलन सपा को सत्ता की मंजिल तक पहुंचाता है या उत्तर प्रदेश की जटिल राजनीति में रास्ता तलाशते–तलाशते फिर किसी मोड़ पर अटक जाता है।

विचार विंडो

तालाब से निकला मखाना, अब दुनिया की पहली पसंद

राम प्रकाश शर्मा

कभी व्रत–त्योहारों की थाली तक सीमित रहने वाला मखाना आज भारत की कृषि क्षमता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का नया चेहरा बनकर उभर रहा है। बदलती खान–पान की आदतों और स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता ने मखाने को घरेलू बाजार से निकालकर वैश्विक बाजार तक पहुंचा दिया है। कम वसा, कम सोडियम और पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण यह उन उपभोक्ताओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जो स्वाद के साथ स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता देते हैं। यही वजह है कि मखाना अब केवल पारंपरिक खाद्य पदार्थ नहीं, बल्कि भारत के लिए बड़ी आर्थिक संभावनाओं वाला उत्पाद बन चुका है।

मखाने की सबसे बड़ी ताकत उसकी पारंपरिक पहचान और आधुनिक जरूरतों का मेल है। इसमें प्रोटीन, रेशे, जटिल कार्बोहाइड्रेट के साथ कैल्शियम, फास्फोरस, पोटैशियम, मैग्नीशियम और आयरन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। कम वसा और कम सोडियम के कारण इसे संतुलित आहार का हिस्सा माना जाता है। स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग ने इसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी नई जगह दिलाई है।

भारत मखाना उत्पादन में दुनिया का प्रमुख देश है और बिहार इसका सबसे बड़ा केंद्र है। दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, कटिहार, पूर्णिया और सहरसा जैसे जिलों में इसकी खेती बड़े पैमाने पर होती है। तालाबों, दलदली क्षेत्रों और आर्द्र जलवायु ने इन इलाकों को मखाने की खेती के लिए अनुकूल बनाया है। बिहार के मखाने को भौगोलिक संकेतक की पहचान मिलना भी इसकी विशिष्टता और क्षेत्रीय महत्व को प्रमाणित करता है। अब पश्चिम बंगाल, असम और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी इसकी खेती का विस्तार हो रहा है।

हालांकि मखाने की चमकदार सफेदी के पीछे किसानों और मजदूरों का कठिन परिश्रम छिपा है। तालाब के पानी में उतरकर बीजों को निकालना, उन्हें साफ करना और सुखाना आसान काम नहीं है। इसके बाद बीजों को तेज तापमान पर भूनकर विशेष प्रक्रिया से फोड़ा जाता है। तभी सफेद और कुरकुरा मखाना तैयार होता है। उसके आकार, रंग और गुणवत्ता के आधार पर उसकी कीमत तय होती है। बड़े और अधिक सफेद दानों को बाजार में बेहतर मूल्य मिलता है। यही वह चरण है, जहां तकनीक के इस्तेमाल से किसानों की मेहनत और आमदनी दोनों को बेहतर किया जा सकता है। वैश्विक बाजार में भारतीय मखाने की मांग लगातार बढ़ रही है। अमेरिका, कनाडा, संयुक्त

अरब अमीरात सहित यूरोप, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और मध्य पूर्व के देशों में इसकी खपत बढ़ी है। विदेशों में इसे प्राकृतिक और वनस्पति आधारित स्वास्थ्यवर्धक खाद्य के रूप में देखा जा रहा है। यही नहीं, सादा मखाना ही नहीं, बल्कि मसालेदार, भुना हुआ और मखाने के चूर्ण जैसे उत्पाद भी बाजार में अपनी जगह बना रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि मखाने की असली क्षमता केवल उत्पादन में नहीं, बल्कि उसके प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन में छिपी है।

सरकार की पहल ने भी इस क्षेत्र को नई दिशा दी है। वैज्ञानिक खेती, बेहतर बीज, किसानों का प्रशिक्षण, कटाई के बाद होने वाले नुकसान में कमी, प्रसंस्करण सुविधाओं, श्रेणीकरण, पैकेजिंग और विपणन पर जोर दिया जा रहा है। मखाना बोर्ड की पहल इस क्षेत्र को संगठित स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा सकती है। यदि इन प्रयासों को गांव स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए तो इसका सीधा लाभ किसानों को मिल सकता है।

फिर भी चुनौतियां कम नहीं हैं। पारंपरिक खेती में श्रम की अधिक आवश्यकता, पानी के भीतर बीज निकालने की कठिनाई, आधुनिक प्रसंस्करण सुविधाओं का अभाव, भंडारण की समस्या और बिचौलियों की भूमिका किसानों के हिस्से का लाभ कम कर देती है। इसलिए जरूरत केवल उत्पादन बढ़ाने की नहीं, बल्कि पूरी मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने की है। खेत से बाजार तक किसान की हिस्सेदारी बढ़ेगी तभी मखाने की बढ़ती मांग का वास्तविक लाभ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा।

मखाने की कहानी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत की उस कृषि क्षमता को सामने लाती है, जिसे लंबे समय तक पारंपरिक उत्पाद समझकर सीमित नजर से देखा गया। तालाबों की तलहटी से निकलने वाला यह छोटा–सा बीज आज वैश्विक बाजार में भारत की बड़ी संभावना का प्रतीक बन रहा है। वैज्ञानिक खेती, आधुनिक प्रसंस्करण, बेहतर विपणन और निर्यात को बढ़ावा देकर मखाना आने वाले वर्षों में किसानों की आय बढ़ाने के साथ ग्रामीण रोजगार और भारतीय कृषि निर्यात को भी नई गति दे सकता है।

मखाना वास्तव में केवल भोजन नहीं, बल्कि परंपरा, परिश्रम और आधुनिक बाजार के बीच बनता नया आर्थिक सेतु है। यदि इसकी पूरी क्षमता का दोहन किया गया तो यह भारत की थाली से निकलकर विश्व बाजार में भारतीय कृषि की मजबूत पहचान कायम करने वाला महत्वपूर्ण उत्पाद साबित हो सकता है।

ईशान किशन ने मचाया तहलका

दलीप ट्रॉफी फाइनल में 39 साल पुराना रिकॉर्ड किया ध्वस्त

270 गेंदों में ठोका दोहरा शतक

यूनिक समय, नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2026 के फाइनल में ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने बल्ले से ऐसा धमाका किया है, जिसने मुकाबले का रुख ही बदल दिया। साउथ जोन के खिलाफ खेलते हुए ईशान ने शानदार दोहरा शतक जड़ दिया। उनकी इस पारी की बदौलत ईस्ट जोन ने फाइनल में अपनी स्थिति बेहद मजबूत कर ली है। खास बात यह है कि दलीप ट्रॉफी में ईशान किशन का यह पहला दोहरा शतक है। इसके साथ ही उन्होंने करीब 39 साल पुराने एक बड़े रिकॉर्ड को भी अपने नाम कर लिया। ईस्ट जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 550 से ज्यादा रन का स्कोर खड़ा कर दिया, जिसमें

ईशान किशन की शानदार पारी का सबसे बड़ा योगदान रहा। उन्होंने पहले शतक पूरा किया और इसके बाद तेजी से डेढ़ सौ रन का आंकड़ा पार किया। शानदार लय में नजर आ रहे ईशान ने आखिरकार 270 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा कर लिया। इस दौरान उनके बल्ले से 26 चौके और 2 छक्के निकले। दिलचस्प बात यह रही कि ईशान ने चौका लगाकर अपनी डबल सेंचुरी पूरी की। ईशान की इस पारी ने उन्हें दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन के लिए दोहरा शतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज के रूप में भी खास उपलब्धि दिलाई है। उनसे पहले अरुण लाल दो बार और सबा करीम एक बार ईस्ट जोन के लिए दलीप ट्रॉफी में दोहरा शतक लगा चुके हैं। यानी अब इस खास क्लब में ईशान किशन का नाम भी शामिल हो गया है। सबसे बड़ी उपलब्धि हालांकि कप्तान के तौर पर उनके रिकॉर्ड की रही। ईशान ने दलीप ट्रॉफी के फाइनल में कप्तान के रूप में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड अंशुमान गायकवाड के नाम था। गायकवाड ने 1987 में दलीप ट्रॉफी फाइनल में कप्तानी करते हुए 216 रन की शानदार पारी खेली थी। करीब 39 साल तक कायम रहा यह रिकॉर्ड अब ईशान किशन ने तोड़ दिया है। दलीप ट्रॉफी के इतिहास में दोहरा शतक लगाना ही बड़ी उपलब्धि है, जबकि 300 रन का आंकड़ा अब तक सिर्फ दो बल्लेबाज छू पाए हैं। रमन लांबा ने 320 रन और गगन खोड़ा ने 300 रन की पारी खेली है।

संजय दत्त के '6 साल जेल' वाले बयान से गरमाई सियासत

बीजेपी विधायक ने मंत्री को घेरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त का एक मजाकिया जवाब अब महाराष्ट्र की राजनीति में बहस का मुद्दा बन गया है। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने संजय दत्त से मराठी में बोलने की अपील की। इसके जवाब में अभिनेता ने अपने अंदाज में कहा कि वह छह साल येरवडा जेल में रहे, लेकिन वहां रहने के बावजूद पूरी तरह मराठी नहीं सीख सके। संजय दत्त की इस बात पर कार्यक्रम में मौजूद लोगों के बीच हंसी का माहौल बना, लेकिन बाद में यही बयान सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों तक चर्चा में आ गया। दरअसल, कार्यक्रम में प्रताप सरनाईक मराठी भाषा को लेकर बात कर रहे थे। यह चर्चा उनके विभाग के

उस फैसले के संदर्भ में थी, जिसमें मुंबई में ऑटो-रिक्शा चालकों के लिए काम जारी रखने के लिए कुछ जरूरी मराठी वाक्यों की समझ को महत्वपूर्ण बताया गया है। इसी दौरान मंत्री ने संजय दत्त से भी मराठी बोलने को कहा। संजय दत्त ने जवाब देते हुए अपने जेल के अनुभव का जिक्र कर दिया और कहा कि छह साल येरवडा जेल में रहने के बावजूद वह मराठी पूरी तरह नहीं सीख पाए, हालांकि उन्होंने थोड़ी-बहुत भाषा जरूर सीखी थी। इसके बाद संजय दत्त ने प्रताप सरनाईक के साथ अपनी करीब 25 साल पुरानी दोस्ती का भी जिक्र किया। उन्होंने मंत्री को अपना पुराना दोस्त और भाई बताते हुए कार्यक्रम में बुलाने के लिए उनका आभार जताया। अभिनेता का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और लोगों की प्रतिक्रियाएं भी बंट गईं। कुछ यूजर्स ने संजय दत्त के जवाब को मजाकिया और सहज अंदाज बताया, जबकि कुछ लोगों ने सवाल उठाया कि अगर आम ऑटो चालक मराठी को लेकर ऐसा जवाब दें तो क्या उनके साथ भी इसी तरह नरमी बरती जाएगी। इसी मुद्दे को लेकर बीजेपी विधायक नरेंद्र मेहता ने अब प्रताप सरनाईक पर निशाना साधा है। मेहता ने सवाल उठाया कि आम ऑटो-रिक्शा चालकों के लिए मराठी भाषा से जुड़े नियमों को लेकर सख्ती की जा रही है, लेकिन एक चर्चित कलाकार के मराठी नहीं बोल पाने को मजाक में लिया जा रहा है। उन्होंने मंत्री के रवैये पर सवाल खड़े करते हुए कथनी और करनी में अंतर का आरोप लगाया। इस विवाद के बीच महाराष्ट्र में मराठी भाषा के इस्तेमाल और उससे जुड़े नियमों को लेकर बहस फिर तेज हो गई है। संजय दत्त का एक हल्का-फुल्का जवाब अब भाषा, आम लोगों पर लागू नियमों और राजनीतिक समानता के सवालों से जुड़ गया है। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर सियासी बयानबाजी और बढ़ने की संभावना है।

भारत-पाकिस्तान सीरीज पर फिर हलचल

आईसीसी सेमिनार में हो सकता है बड़ा फैसला

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट सीरीज का इंतजार कर रहे फैंस के लिए एक बार फिर बड़ी खबर सामने आई है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज नहीं खेली गई है और अब मुकाबला सिर्फ आईसीसी और एसीसी टूर्नामेंट तक सीमित रह गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी भारत के खिलाफ सीरीज कराने के लिए लगातार कोशिश कर रहा है। माना जा रहा है कि इस मुद्दे पर इसी महीने होने वाले आईसीसी सेमिनार में चर्चा हो सकती है और अगर बात आगे बढ़ी तो दोनों देशों के बीच क्रिकेट रिश्तों को लेकर नई पहल देखने को मिल सकती है। दरअसल, आईसीसी का सेमिनार

22 और 23 सितंबर को दुबई में आयोजित होना है। इसी दौरान फ्यूचर टूर प्रोग्राम को लेकर भी चर्चा होने की संभावना है। एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, पीसीबी चाहता है कि भारत और पाकिस्तान को शामिल करते हुए तीन या चार देशों का एक मल्टीनेशन टूर्नामेंट आयोजित किया जाए। इस प्रस्ताव में मुकाबलों के लिए न्यूट्रल वेन्यू रखने की बात कही गई है, ताकि दोनों देशों के बीच क्रिकेट आयोजन को लेकर किसी तरह की परेशानी न हो। पीसीबी की ओर से इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने की कोशिश की जा सकती है। भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी द्विपक्षीय सीरीज 2013 में खेली गई थी। इसके बाद से दोनों टीमें एक-दूसरे के खिलाफ केवल आईसीसी और एसीसी टूर्नामेंट में ही मैदान पर उतरती हैं। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच होने वाले मुकाबलों को लेकर फैंस में हमेशा जबरदस्त उत्साह रहता है। हालांकि प्रस्तावित सीरीज टी20 फॉर्मेट में होगी या वनडे में, इसे लेकर अभी कोई फैसला सामने नहीं आया है। अगर इसमें एक या दो अन्य टीमें भी शामिल होती हैं तो यह मुकाबला एक मल्टीनेशन टूर्नामेंट का रूप ले सकता है।

हालांकि केवल आईसीसी की मंजूरी से इस योजना को हरी झंडी नहीं मिल सकती। भारत की ओर से किसी भी द्विपक्षीय क्रिकेट आयोजन के लिए बीसीसीआई को भारत सरकार की अनुमति की जरूरत होगी। वहीं, पाकिस्तान इस प्रस्ताव को लेकर काफी उत्सुक नजर आ रहा है। अगर यह योजना आगे बढ़ती है तो यूएई, इंग्लैंड या ऑस्ट्रेलिया को न्यूट्रल होस्ट के तौर पर चुना जा सकता है। अब सभी की नजरें 22-23 सितंबर को होने वाले आईसीसी सेमिनार पर हैं। देखना होगा कि वहां भारत-पाकिस्तान सीरीज को लेकर क्या चर्चा होती है और क्या क्रिकेट फैंस को लंबे इंतजार के बाद कोई बड़ी खुशखबरी मिलती है।

मनोज तिवारी की बेटी रिति की 'बिग बॉस 20' में एंट्री

यूनिक समय, नई दिल्ली। सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में इस बार मनोज तिवारी की बेटी रिति तिवारी ने भी एंट्री ली है। सिंगर, कंपोजर और बिजनेसवुमन के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाली रिति अब बिग बॉस के घर में अपनी अलग पहचान बनाने की कोशिश करती नजर आएंगी। अभी तक वह काफी हद तक निजी जिंदगी को मीडिया की नजरों से दूर रखती रही हैं, लेकिन शो में कदम रखने के बाद उनकी जिंदगी का नया और ज्यादा पब्लिक अध्याय शुरू हो गया है। रिति तिवारी का जन्म 23 जून 2001 को मुंबई में हुआ था। वह मनोज तिवारी और उनकी पहली पत्नी रानी तिवारी की बेटी हैं। दोनों के अलग होने के बाद रिति ने अपना ज्यादातर समय अपनी मां के साथ मुंबई में बिताया, हालांकि पिता और परिवार से उनका रिश्ता बना रहा। उन्होंने मुंबई के जमनाबाई नरसी स्कूल से पढ़ाई की। बचपन से ही उनकी रुचि संगीत, लेखन और कला में रही और आगे चलकर उन्होंने सामाजिक कार्य तथा उद्यमिता में भी दिलचस्पी दिखाई। संगीत की दुनिया में रिति सिंगर, गीतकार, कंपोजर और म्यूजिक प्रोड्यूसर के तौर पर काम कर चुकी हैं। वह गिटार बजाती हैं और भारतीय शास्त्रीय संगीत की भी शिक्षा ले चुकी

हैं। वर्ष 2020 में उन्होंने पालाश मुच्छल के साथ 'चले आओ' गाने पर काम किया था। दिसंबर 2025 में उन्होंने 'झूठी बेबी' नाम का सिंथ-पॉप ट्रैक रिलीज किया, जिसे उन्होंने खुद लिखा, गाया और कंपोज किया था। रिति का नाम राजनीति से भी जुड़ा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मई 2024 में उन्होंने बीजेपी की सदस्यता ली थी। हालांकि, अब तक सार्वजनिक जीवन में उनकी मौजूदगी पिता मनोज तिवारी की तुलना में कम रही है। 'बिग बॉस 20' के ग्रैंड प्रीमियर में मनोज तिवारी ने बेटी को शो के सफर के लिए शुभकामनाएं दीं और उन्हें अपनी असली पहचान के साथ ईमानदारी से खेलने की सलाह दी। अब देखना दिलचस्प होगा कि रिति बिग बॉस के घर में अपने पिता की छवि से अलग अपनी पहचान बनाने में कितनी कामयाब होती हैं।

तुलसी को ब्लैकमेल करेगी तृप्ति नकाबपोश की खुलेगी पहचान

क्योंकि सास भी कभी बहू थी-2' में आएगा बड़ा ट्विस्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में आने वाले एपिसोड में जबरदस्त ड्रामा देखने को मिलने वाला है। कहानी में एक तरफ तृप्ति अपने फायदे के लिए तुलसी को ब्लैकमेल करने की चाल चलेगी, तो दूसरी तरफ अनुपम कपाड़िया की वापसी से मिहिर के गायब होने का रहस्य और गहरा जाएगा। शो में अनुपम की पहचान अब तक 'हुडेड मैन' के तौर पर सामने आई है, जिससे दर्शकों के मन में कई सवाल खड़े हो गए हैं। आने वाले एपिसोड में नकाबपोश शख्स की पहचान को लेकर कहानी नया मोड़ लेगी। कभी ऐसा लगेगा कि हुडेड मैन कोई और नहीं बल्कि मिहिर विरानी है, लेकिन बाद में तस्वीर बदलती नजर आएगी। तुलसी को यकीन होगा कि उसने जिस शख्स को देखा है, वह अनुपम कपाड़िया ही है। अनुपम की वापसी तुलसी की परेशानियां बढ़ाने वाली है और उसके सामने कई नए सवाल खड़े होंगे। सबसे बड़ा राज मिहिर के गायब होने से जुड़ा है। विरानी परिवार को भरोसा नहीं होगा कि अनुपम अभी भी जिंदा हो सकता है, क्योंकि उन्हें लगता है कि उसकी मौत काफी पहले हो चुकी है। दूसरी तरफ तुलसी इस बात को लेकर उलझ जाएगी कि जो अनुपम कभी उसकी मदद करता था, वह उसे देखकर भाग क्यों रहा है। क्या उसकी याददाश्त चली गई है या इसके पीछे कोई बड़ी साजिश है? शो में आगे अनुपम ही मिहिर के गायब होने की वजह से पर्दा उठाता नजर आ सकता है। वहीं तृप्ति भी तुलसी के खिलाफ बड़ा खेल खेलेगी।

वह पार्थ से जुड़ा सच तुलसी के सामने रखेगी और उस पर जासूसी का आरोप लगाएगी। तृप्ति बताएगी कि पार्थ अंबा भवन बेचना चाहता था, जिसके बाद उसने कौशिक श्रीवास्तव का इस्तेमाल कर इसे अपने लिए खरीदने की कोशिश की। इसके साथ ही वह वैष्णवी से जुड़े पुराने मामले का राज भी जानती है। तृप्ति इसी जानकारी को हथियार बनाकर तुलसी को ब्लैकमेल करेगी। अब देखना दिलचस्प होगा कि तुलसी तृप्ति की इस चाल से कैसे निपटती है और क्या अनुपम की वापसी से आखिरकार मिहिर के रहस्य से

लाल के बाद अब नीले रंग में दिखेगी सपा

यूपी चुनाव से पहले अखिलेश यादव का बड़ा सियासी दांव

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने अपनी रणनीति में एक नया रंग जोड़ दिया है। सपा की पहचान लंबे समय से लाल रंग से रही है, लेकिन अब पार्टी से जुड़े छात्र संगठन की टी–शर्ट लाल की जगह नीली नजर आएगी। समाजवादी छात्रसभा के कार्यकर्ताओं के लिए बदली गई इस टी–शर्ट पर साइकिल के साथ बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की तस्वीर भी लगाई गई है। इस बदलाव को यूपी की सियासत में एक अहम संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल, नीले रंग को लंबे समय से दलित राजनीति और बहुजन समाज पार्टी से जोड़कर देखा जाता है। बसपा का झंडा और चुनावी पहचान भी नीले रंग से जुड़ी हुई है। ऐसे में सपा छात्रसभा की टी–शर्ट का रंग बदलना चर्चा का विषय बन गया है। माना जा रहा है कि अखिलेश यादव इस कदम के जरिए दलित मतदाताओं, खासकर युवा और जेन जी वोटर्स तक अपनी पहुंच मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। इस बदलाव से पहले अखिलेश यादव खुद भी नीला गमछा पहने नजर आए थे। सपा की इस नई रणनीति को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि उत्तर प्रदेश में दलित मतदाताओं की हिस्सेदारी करीब 21 फीसदी बताई जाती है। वहीं, मायावती की बसपा की चुनावी ताकत में लगातार कमी आने की चर्चा के बीच सपा इस बड़े वोट बैंक में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने उत्तर प्रदेश की 37 सीटों पर जीत दर्ज की थी। अखिलेश यादव हाल के दिनों में अपने बयानों को लेकर भी लगातार चर्चा में रहे हैं। उन्होंने पीडीए का नया मतलब बताते हुए पी को प्रोटेस्ट, डी को डेमोंस्ट्रेशन और ए को एक्टिविस्ट बताया था। अखिलेश ने कहा था कि अपनी बात रखने के लिए विरोध और प्रदर्शन करने वाले लोग भी पीडीए का हिस्सा हैं। इसी दौरान उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए आरक्षण को लेकर भी सवाल उठाए थे। अखिलेश का आरोप रहा है कि बीजेपी आरक्षण खत्म करना चाहती है। उन्होंने बाबा साहब अंबेडकर का जिक्र करते हुए सामाजिक असमानता के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी थी। अब विधानसभा चुनाव से पहले सपा का लाल से नीले रंग की ओर बढ़ता कदम राजनीतिक तौर पर कितना असरदार साबित होगा, यह आने वाले समय में साफ होगा।

बारिश से भरे गड्डे में डूबे तीन बच्चे, भाई–बहन की मौत

चरखारी के रिवई गांव में हादसा, डेढ़ घंटे बाद निकाले गए शव

मॉडल स्कूल के पीछे मिट्टी निकालने को खोदा था गहरा गड्डा

यूनिक समय, महोबा। चरखारी थाना क्षेत्र के रिवई गांव में रविवार शाम दर्दनाक हादसे में तीन मासूम बच्चों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में एक ही परिवार के भाई–बहन भी शामिल हैं। घटना के बाद गांव में मातम छा गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। बताया गया कि गांव में मॉडल स्कूल के पीछे मिट्टी निकालने के लिए गहरा गड्डा खोदा गया था। हाल में हुई बारिश के कारण गड्डे में काफी पानी भर गया था। रविवार शाम करीब छह बजे कुछ बच्चे वहां खेल रहे थे। इसी दौरान पैर फिसलने से तीन बच्चे गहरे पानी में जा गिरे।

हादसे में 14 वर्षीय प्रिंस अहिरवार, उसकी चचेरी बहन 11 वर्षीय रोशनी अहिरवार और पड़ोस में रहने वाले 10 वर्षीय अंशुल अहिरवार डूब गए। बच्चों को पानी में गिरता देखकर आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही रिवई चौकी प्रभारी सुजीत जायसवाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों और स्थानीय गोताखोरों की मदद से बचाव अभियान शुरू किया गया। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद तीनों बच्चों को पानी से बाहर निकाला गया। परिजन और पुलिस उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चरखारी लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की जानकारी पर उपजिलाधिकारी अवनीश कुमार तिवारी और राजस्व विभाग की टीम भी गांव पहुंची। अधिकारियों ने पीड़ित परिवारों को सांत्वना दी और हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया।

मायावती के छोटे भतीजे ईशान आनंद की राजनीति में एंट्री

कई राज्यों का प्रभार मिलने की चर्चा, पिता आनंद कुमार को देंगे रिपोर्ट

आकाश आनंद के बाद ईशान को अहम जिम्मेदारी की तैयारी

यूनिक समय, लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने अपने छोटे भतीजे ईशान आनंद को सक्रिय राजनीति में लाने का फैसला किया है।

रविवार को पार्टी प्रदेश कार्यालय में हुई मैराथन बैठक के बाद ईशान को मुख्य सेक्टर प्रभारी बनाए जाने की चर्चा है। साथ ही उन्हें कई राज्यों का प्रभार सौंपे जाने की भी बात सामने आई है। हालांकि पार्टी की ओर से अभी इसकी औपचारिक घोषणा नहीं की गई है।

सूत्रों के मुताबिक, ईशान पार्टी प्रमुख मायावती के साथ अपने पिता और पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनंद कुमार को भी रिपोर्ट करेंगे। आकाश आनंद को राष्ट्रीय संयोजक पद से हटाए जाने के बाद से ही ईशान को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दिए जाने की अटकलें लगाई जा रही थीं।

ईशान हाल में राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में भी शामिल हुए थे। इससे पहले वह मायावती के जन्मदिन के कार्यक्रम में भी नजर आए थे। पार्टी के भीतर उनके सक्रिय होने को संगठन में नई जिम्मेदारी की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है।

चर्चा यह भी है कि राष्ट्रीय समन्वयक रामजी गौतम और लालाराम की जिम्मेदारियां बढ़ाकर उन्हें कुछ अन्य राज्यों का प्रभार दिया जा सकता है। पार्टी स्तर पर संगठनात्मक बदलाव को लेकर बैठकों का दौर जारी है।

सहारनपुर मस्जिद प्रकरण पर सियासी हलचल तेज, नेता नजरबंद

सपा प्रतिनिधिमंडल के दौरे से पहले पुलिस ने बढ़ाई सख्ती

विवादित होर्डिंग लगाए जाने से भी गरमाया राजनीतिक माहौल

यूनिक समय, सहारनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद के ध्वस्तीकरण को लेकर सहारनपुर में सियासी हलचल तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल के प्रस्तावित दौरे से पहले पुलिस ने पार्टी के कई नेताओं की आवाजाही पर रोक लगा दी। सरधना विधायक अतुल प्रधान को उनके आवास पर नजरबंद किया गया, जबकि मुजफ्फरनगर सांसद हरेंद्र मलिक को भी घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी गई। दोनों नेताओं के आवास के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है। बताया गया कि सपा का प्रतिनिधिमंडल मस्जिद प्रकरण की जानकारी लेने के लिए सहारनपुर पहुंचने वाला है। प्रतिनिधिमंडल के दौरे से पहले पुलिस प्रशासन ने कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए नेताओं की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ा दी। वहीं, एक दिन पहले सहारनपुर शहर में विवादित होर्डिंग लगाए जाने से मामला और गरमा गया था। होर्डिंग में मुजफ्फरनगर दंगे का जिक्र किए जाने की बात सामने आई थी। जानकारी मिलने पर पुलिस ने होर्डिंग हटवा दिया। मस्जिद ध्वस्तीकरण के बाद सपा नेताओं की सक्रियता और पुलिस की कार्रवाई को लेकर जिले में राजनीतिक माहौल गर्म है। प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

दवा कारोबारी की हत्या का 12 घंटे में खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

नौकर ने साथी संग मिलकर की वारदात मुठभेड़ में पैर में लगी गोली

बहू के कहने पर हत्या का दावा, पुलिस कर रही जांच

यूनिक समय, कानपुर। कल्याणपुर के रतन आर्बिट अपार्टमेंट में 63 वर्षीय दवा कारोबारी विनीत विनोचा की हत्या का पुलिस ने 12 घंटे के भीतर खुलासा करने का दावा किया है। पुलिस ने रविवार देर शाम मुठभेड़ के बाद कारोबारी के नौकर विशाल गौतम और उसके साथी राज किशोर को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगी है।

विनीत शनिवार रात अपने बेटे सुब्रत, बहू शालू और छह वर्षीय पोते के साथ अपार्टमेंट के सी–104 फ्लैट में थे। रात करीब 10:30 बजे बेटा, बहू और पोता एक पार्टी में चले गए। तड़के करीब तीन बजे लौटने पर मुख्य दरवाजा खुला मिला। अंदर कमरे में विनीत का शव खून से लथपथ पड़ा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की।

पुलिस के मुताबिक, हमलावरों ने सोते समय विनीत पर हमला किया। संघर्ष के बाद उनकी गर्दन रेत दी गई और शरीर पर चाकू से कई वार किए गए। कमरे में खून फैला था, लेकिन सामान व्यवस्थित मिला और लूटपाट के स्पष्ट संकेत नहीं मिले।

जांच में अपार्टमेंट और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों से पुलिस को अहम सुराग मिले। प्रवेश द्वार के रजिस्टर और कर्मचारियों से पूछताछ के बाद विशाल और राज किशोर संदिग्धों के रूप में सामने आए। पुलिस ने पीछा कर दोनों को मुठभेड़ के बाद पकड़ लिया।

पुलिस के अनुसार, विशाल ने पूछताछ में कारोबारी की बहू के कहने पर हत्या करने और इसके बदले रुपये मिलने की बात कही है। हालांकि पुलिस इस दावे की पुष्टि कर रही है।

विनीत का परिवार करीब तीन पीढ़ियों से दवा कारोबार से जुड़ा था। हत्या के बाद सोसाइटी के लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए प्रदर्शन किया।

प्रेम विवाह के दो माह बाद पत्नी की हत्या, पति गिरफ्तार

फोन पर बात करने को लेकर हुआ विवाद, लोहे की रॉड से किए वार

हत्या के बाद खुद पुलिस को फोन कर दी सूचना

यूनिक समय, कानपुर देहात। अकबरपुर थाना क्षेत्र के नेहरू नगर में रविवार सुबह प्रेम विवाह के करीब दो माह बाद पति ने पत्नी की हत्या कर दी। पत्नी के मोबाइल पर किसी से बात करने को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। आरोप है कि गुस्से में पति ने लोहे की रॉड से पत्नी के सिर और चेहरे पर कई वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल पत्नी को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद आरोपी ने खुद पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

डेरापुर थाना क्षेत्र के डुडौली निवासी गजेंद्र संखवार करीब दो माह पहले शिवली क्षेत्र के सुनवर्षा निवासी सपना उर्फ आसमा के संपर्क में आया था। दोनों की नजदीकियां बढ़ीं और उन्होंने न्यायालय में विवाह कर लिया। इसके बाद दोनों अकबरपुर के नेहरू नगर स्थित मकान में किराये पर रहने लगे थे। गजेंद्र राजमिस्त्री का काम करता है। पुलिस के अनुसार, गजेंद्र को सपना के किसी अन्य व्यक्ति से मोबाइल पर बात करने को लेकर आपत्ति थी। रविवार सुबह करीब साढ़े दस बजे इसी बात को लेकर दोनों में विवाद हुआ। आरोप है कि गजेंद्र ने कमरे में रखी लोहे की रॉड से सपना के सिर और चेहरे पर कई वार कर दिए। शोर सुनकर मकान मालिक और पड़ोसी ऊपर पहुंचे। तब तक सपना खून से लथपथ पड़ी थी। गजेंद्र ने हत्या की बात बताई और थाने जाने की बात कहकर बाहर निकलने लगा। पड़ोसियों ने उसे रोक लिया और पुलिस को सूचना दी।

सपना की मां खैरा बानो ने बताया कि घटना से करीब आधे घंटे पहले ही बेटी ने फोन पर कहा था कि वह गजेंद्र के साथ नहीं रहना चाहती। शादी के बाद दोनों में अक्सर विवाद होता था और सपना अपने फैसले को लेकर पछता रही थी। पुलिस जांच में सामने आया कि सपना की पहले भी शादी हो चुकी थी और उसके तीन बच्चे हैं। गजेंद्र की भी यह दूसरी शादी थी और उसका एक बेटा है। दोनों का संपर्क सामाजिक माध्यम के जरिये हुआ था। पुलिस मामले में हत्या के कारणों और अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

सत्य निकेतन हादसे पर हाईकोर्ट सख्त

एमसीडी और सरकार से पूछा, आखिर किसकी लापरवाही से गई जान

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के सत्य निकेतन में पांच मंजिला इमारत गिरने की घटना को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। हादसे में अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार और एमसीडी को नोटिस जारी करते हुए कहा कि अधिकारी अपनी जिम्मेदारी से भाग नहीं सकते। अदालत ने हादसे को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इमारत में रहने वाले करीब 50 छात्रों की जान दांव पर लगी थी। कोर्ट ने सवाल किया कि ऐसे हादसों को रोकने के लिए प्रशासन आखिर क्या कदम उठा रहा है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को भरोसा दिलाया कि लोगों की जान बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। पीजी और हॉस्टल की सुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल हाईकोर्ट ने दिल्ली में पीजी और

हॉस्टल में रहने वाले छात्रों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई। अदालत ने कहा कि किसी इमारत के गिरने के लिए केवल मालिक को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि कई बार दो मंजिल की अनुमति लेकर इमारत को छह मंजिल तक बना दिया जाता है, जबकि उसकी नींव उसी हिसाब से नहीं होती। ऐसी लापरवाही गंभीर हादसों का कारण बन सकती है। दिल्ली विश्वविद्यालय में पर्याप्त हॉस्टल नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में छात्र पीजी में रहने को मजबूर हैं। एक हफ्ते में होगा पीजी–हॉस्टल का ऑडिट हाईकोर्ट ने एमसीडी को आदेश दिया है कि वह एक सप्ताह के भीतर दिल्ली के पीजी और हॉस्टल का ऑडिट करे। अधिकारियों को यह जानकारी भी देनी होगी कि इन जगहों पर कितने छात्र रह रहे हैं और उनके लिए क्या सुरक्षा व्यवस्था है। इसके अलावा डीयू से दिल्ली से बाहर के छात्रों की संख्या और उपलब्ध हॉस्टल की जानकारी मांगी गई है। अदालत यह भी जानना चाहती है कि हादसे वाली इमारत को सभी जरूरी मंजूरियां मिली थीं या नहीं और नियमों का उल्लंघन हुआ तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है। हादसे के बाद फरार चल रहे बिल्डिंग मालिक हरिराम को राजस्थान के भिवाड़ी से हिरासत में लिया गया है।

पुलिस अब उसे अदालत में पेश करेगी। वहीं, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मामले में कार्रवाई करते हुए एमसीडी के पांच अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है। इनमें डिप्टी कमिश्नर राकेश कुमार, सुपरिटेंडिंग इंजीनियर रणवीर सिंह, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर ललित कुमार गोयल, असिस्टेंट इंजीनियर सुनील चौहान और जूनियर इंजीनियर आशीष कुमार शामिल हैं। अब हाईकोर्ट की सख्ती के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि सत्य निकेतन हादसे के लिए जिम्मेदार कौन है और क्या भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन ठोस कदम उठाएगा।

इसरो के कर्मचारियों को भविष्य की चिंता क्यों नहीं करनी चाहिए

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों की बढ़ती भूमिका के बीच इसरो के कर्मचारियों की चिंताओं पर इन–स्पेस के चेयरमैन पवन गोयनका ने बड़ा बयान दिया है। स्पेस एक्सपो के उद्घाटन भाषण में उन्होंने साफ कहा कि इसरो के कर्मचारियों को अपने भविष्य को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जो लोग यह मान रहे हैं कि अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों के आने से इसरो की भूमिका कम हो जाएगी, उन्हें अपनी सोच पर दोबारा विचार करना चाहिए। पवन गोयनका ने कहा कि इसरो के पास इस समय पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण काम हैं। चंद्रयान सीरीज, गगनयान मिशन, भारतीय स्पेस स्टेशन, चांद पर भारतीय को भेजने की योजना, शुक्र और मंगल मिशन, दोबारा इस्तेमाल होने वाले भारी पेलोड व्हीकल, नाविक को मजबूत करना और एसपीएस सीरीज के सैटेलाइट जैसे कई बड़े प्रोजेक्ट उसके सामने हैं। उनके मुताबिक इसरो इन सभी अभियानों के लिए रीढ़ की हड्डी और मजबूत आधार बना हुआ है।

पवन गोयनका ने बताई बड़ी वजह

गोयनका ने इससे पहले भी स्पष्ट किया था कि 2020 में शुरू किए गए अंतरिक्ष क्षेत्र के सुधारों का उद्देश्य इसरो की भूमिका को कम करना नहीं है। इन सुधारों के जरिए निजी उद्योग को प्रक्षेपण यान, उपग्रह और दूसरी अंतरिक्ष प्रणालियों के निर्माण और बड़े पैमाने पर उत्पादन में आगे बढ़ने का अवसर दिया जा रहा है। वहीं इसरो का फोकस उन्नत रिसर्च, वैज्ञानिक और रणनीतिक मिशनों, नई तकनीकों तथा ऐसे बुनियादी ढांचे पर रहेगा जिसे निजी क्षेत्र अकेले विकसित नहीं कर सकता।

यह बयान ऐसे समय आया है जब इसरो के 9 कर्मचारी संगठनों ने संगठन के अध्यक्ष वी. नारायणन को पत्र लिखकर निजी संस्थाओं को विनिर्माण और परिचालन कार्य सौंपे जाने की चर्चाओं पर स्पष्टीकरण मांगा है। गोयनका ने कहा कि पूरी व्यवस्था तभी आगे बढ़ेगी, जब सभी मिलकर अपनी–अपनी भूमिका निभाएंगे।

लंदन जाएंगे एकनाथ शिंदे, बड़े कामों के लिए मिलेगा खास सम्मान

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे मंगलवार, 8 सितंबर को लंदन दौरे पर जाएंगे। इस यात्रा का मुख्य आकर्षण उनके लिए आयोजित होने वाला विशेष गौरव सम्मान समारोह है। यूके मराठी एसोसिएशन की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में शिंदे को महाराष्ट्र में इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रशासनिक कामकाज को गति देने के लिए किए गए कार्यों के लिए सम्मानित किया जाएगा।

शिंदे के कार्यकाल के दौरान समृद्धि महामार्ग, अटल सेतु, मुंबई मेट्रो, मुंबई कोस्टल रोड, ठाणे क्लस्टर डेवलपमेंट और धारावी रीडेवलपमेंट जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स का विशेष उल्लेख किया गया है। बताया जा रहा है कि यह सम्मान समारोह पिछले तीन वर्षों से लंबित था। कार्यक्रम में ब्रिटेन के स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधियों के साथ भारतीय और मराठी प्रवासी

संगठनों के लोग भी शामिल होंगे।

इसके अलावा, महाराष्ट्र को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में उठाए गए कदमों के लिए भी शिंदे को सम्मानित किया जाएगा।

हाल ही में शिंदे ने सिद्धिविनायक मंदिर के पिछले पांच वर्षों के दान का ऑडिट कराने के निर्देश भी दिए थे, ताकि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

आप में गैंगस्टर की एंट्री से गरमाई सियासत

यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाब की सियासत में आम आदमी पार्टी में गुरप्रीत शेखों के शामिल होने के बाद विवाद बढ़ गया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को फिरोजपुर के जीरा में आयोजित रैली के दौरान शेखों को पार्टी में शामिल कराया। गुरप्रीत शेखों पर 2016 के चर्चित नाभा जेल ब्रेक कांड में शामिल होने का आरोप रहा है।

शेखों की आप में एंट्री पर विपक्षी दलों ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने दावा किया कि 2027 में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव बेहद हिंसक हो सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी में नेताओं से ज्यादा गैंगस्टरों को जगह मिल रही है। बलकौर सिंह ने कहा कि अब फैसला पंजाब की जनता को करना है कि वह

मूसेवाला के पिता ने 2027 चुनाव को लेकर चेताया

अपराध के आरोपों से घिरे लोगों को विधानसभा भेजना चाहती है या ईमानदार नेताओं को। वहीं, अकाली दल ने आप पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि सरकार गैंगस्टरों के खिलाफ कार्रवाई के बजाय उन्हें राजनीतिक संरक्षण दे रही है। भाजपा नेता फतेह जंग बाजवा ने भी शेखों के पार्टी में शामिल होने पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे आप की चुनावी रणनीति और कानून–व्यवस्था को

नेपाल में तबाही का दर्द

1355 मौतों के बाद आज राष्ट्रीय शोक, देशभर में आधा झुकेगा तिरंगा

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेपाल में 26 अगस्त को आई भीषण बाढ़ और प्राकृतिक आपदा के बाद हालात अब भी सामान्य नहीं हो पाए हैं।

इस तबाही में अब तक 1355 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 5000 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। इस दर्दनाक हादसे के 13 दिन बाद नेपाल सरकार ने सोमवार, 7 सितंबर को राष्ट्रीय शोक दिवस मनाने का फैसला किया है। इस मौके पर देशभर में सार्वजनिक अवकाश रहेगा और सरकारी कार्यालयों के साथ विदेशों में स्थित नेपाली राजनयिक मिशनों में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा।

तिब्बत के करीब रसुवा और आसपास के जिलों में आई बाढ़ ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई थी। हजारों लोग बेघर हो गए और कई इलाकों में घरों, सड़कों, पुलों तथा हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट्स को भारी नुकसान पहुंचा। आपदा में जान गंवाने वाले लोगों की याद में नेपाल के अलग–अलग हिस्सों में श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित की जा रही हैं। बिहार–नेपाल सीमा के पास बीरगंज महानगरपालिका के घंटाघर चौक पर भी श्रद्धांजलि सभा हुई, जहां दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दीप प्रज्वलित किए गए।

नेपाल में राहत और बचाव अभियान अभी भी लगातार जारी है। प्रभावित इलाकों में सुरक्षाबल और बचाव दल लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट की सुरंगों में भी खोज अभियान चलाया जा रहा है। टनल में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए भारतीय सेना, एनडीआरएफ और बीआरओ भी वैकल्पिक रास्ते तैयार करने में मदद कर रहे हैं।

इस आपदा से नेपाल में कम से कम 32 हजार परिवार विस्थापित हुए हैं, जबकि करीब 7500 मकान पूरी तरह तबाह हो गए हैं। लोगों की आजीविका के साथ–साथ जरूरी बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचा है। ऐसे में राष्ट्रीय शोक दिवस नेपाल के लिए इस भीषण त्रासदी में जान गंवाने वालों को सामूहिक श्रद्धांजलि देने का अवसर बन गया है।

मियामी एयरपोर्ट पर लैंडिंग के बाद बेकाबू हुआ कार्गो प्लेन

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के मियामी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार को एक बड़ा विमान हादसा हो गया। अमेजन का कार्गो प्लेन लैंडिंग के दौरान रनवे से आगे निकल गया और कई गाड़ियों से जा टकराया।

टक्कर के बाद विमान में भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद कुछ लोग क्षतिग्रस्त वाहनों में फंस गए थे, वहीं विमान के पायलट और को–पायलट भी कॉकपिट में फंस गए।

बचाव दल ने कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाला।

स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक घटना दोपहर करीब 2 बजे हुई। हादसे की सूचना मिलते ही मियामी–डेड फायर रेस्क्यू की 60 से ज्यादा यूनिट मौके पर पहुंच गईं और बड़े स्तर पर

राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। घटनास्थल से काफी देर तक काला धुआं उठता दिखाई दिया। बचावकर्मियों को विमान से हो रहे ईंधन के रिसाव से भी निपटना पड़ा, जिससे ऑपरेशन और चुनौतीपूर्ण हो गया। अधिकारियों ने बताया कि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जबकि दो अन्य को अस्पताल ले जाया गया और उनकी चोटें अपेक्षाकृत कम गंभीर हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि हादसे में जान गंवाने वाले लोग विमान में सवार थे या उन वाहनों में मौजूद थे, जिन्हें प्लेन ने टक्कर मारी।

अधिकारियों के अनुसार कुछ लोग कारों में फंसे थे और एक व्यक्ति वाहन के नीचे भी दबा हुआ था। आपातकालीन टीमें कई घंटों तक घटनास्थल पर राहत कार्य में जुटी रहीं। हादसे का शिकार हुआ विमान बोइंग 767 था और इसकी उम्र करीब 32 साल बताई जा रही है। इसे शुरुआत में यात्री विमान के तौर पर बनाया गया था, लेकिन बाद में कार्गो विमान में बदल दिया गया। विमान का संचालन नॉर्थ कैरोलिना की कार्गो कंपनी '21 एयर' करती थी।

हादसे के कारण मियामी एयरपोर्ट का कामकाज भी प्रभावित हुआ। कई उड़ानों को रोकना पड़ा और बड़ी संख्या में फ्लाइट्स देरी से चलीं। अब अमेरिका का नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड यानी एनटीएसबी इस हादसे की जांच करेगा।

जांच में यह पता लगाने की कोशिश होगी कि विमान रनवे से आगे क्यों निकल गया। अमेजन ने हादसे पर दुख जताते हुए कहा है कि वह जांच में पूरा सहयोग करेगा।

ओपन पार्क के समीप पड़ी गंदगी

कोसी में पालिका का ओपन पार्क बना कचरा घर

लाखों खर्च के बाद भी गंदगी का अंबार

कुर्सियां शोपीस

ओपन पार्क के समीप पड़ी गंदगी।

यूनिक समय, कोसीकलां। तस्वीर में दिख रहा यह कचरे का ढेर कोई खाली प्लॉट नहीं, बल्कि नगर पालिका परिषद द्वारा लाखों रुपये खर्च करके बनवाया गया ओपन पार्क है। नगर के शेरगढ़ रोड स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के पास पालिका ने लोगों की सुविधा के लिए ओपन पार्क बनवाया था। बैठने के लिए रंग-बिरंगी कुर्सियां लगवाईं और उद्घाटन कर वाह-वाही लूट ली। उद्घाटन के बाद अधिकारी इसे भूल गए। सोमवार को यूनिक समय की टीम ने जब मौके पर जाकर देखा तो पालिका के विकास की हकीकत तस्वीर में कैद हो गई। पार्क की टाइलों पर कचरा बिखरा है, किनारे पर पॉलीथिन, कागज, घरों का कूड़ा-कचरा पड़ा है। बड़ी-बड़ी घास और झाड़ियां उग आई हैं। बैठने के लिए लगाई गई कुर्सियां अब शोपीस बनी हैं, क्योंकि वहां बदबू के मारे बैठना तो दूर, खड़ा होना भी मुश्किल है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि यह ओपन पार्क अब कचरा घर में तब्दील हो गया है। आसपास के लोग अपना कूड़ा यहीं फेंक जाते हैं और पालिका का सफाई कर्मचारी यहां झांकने तक नहीं आता। जिस ओपन पार्क को बच्चों के खेलने और बुजुर्गों के बैठने के लिए बनाया गया था, वह अब गंदगी से अटा पड़ा है। लोगों ने कहा कि पालिका का काम सिर्फ बोर्ड लगाने और उद्घाटन तक ही सीमित है। अगर रखरखाव नहीं करना था तो लाखों रुपये बर्बाद क्यों किए गए। नगर वासियों ने पालिकाध्यक्ष और ईओ से मांग की है कि इस ओपन पार्क की तत्काल साफ-सफाई कराकर इसकी देखरेख के लिए कर्मचारी तैनात किया जाए, ताकि पार्क का दोबारा उपयोग हो सके।

कोसी में पीएनजी कंपनी और अधिकारियों की लापरवाही बनी हादसे की वजह

चैंबर खुला छोड़ा धमाके में दो बच्चियों समेत तीन झुलसे

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के राधा विहार कॉलोनी में रविवार देर शाम हुआ हादसा पीएनजी कंपनी और अधिकारियों की लापरवाही का नतीजा है। शालीमार रोड पर बिना ढक्कन के खुले पड़े गैस चैंबर से रिसाव हुआ और जोरदार धमाके के साथ आग भड़क उठी। कॉलोनी वासियों का आरोप है कि यह चैंबर लंबे समय से बिना ढक्कन के खुला पड़ा था। इसकी शिकायत कई बार कंपनी और संबंधित अधिकारियों से की गई थी, लेकिन किसी ने सुध नहीं ली। नतीजा रविवार को तीन लोगों को भुगतना पड़ा। हादसे के वक्त घर के बाहर खड़े मुकुट सिंह के परिवार की दो नाबालिग बच्चियों समेत तीन लोग आग की चपेट में आकर झुलस गए। करीब 30 मिनट तक चैंबर से गैस निकलती रही, लेकिन कंपनी का कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। लोग खुद ही आग बुझाते रहे। लोगों ने बताया कि हादसे के बाद कंपनी के दफ्तर फोन किया गया तो किसी ने फोन तक नहीं उठाया। दमकल विभाग को सूचना दी गई, लेकिन जब तक दमकल पहुंची तब तक लोग खुद ही आग पर काबू पा चुके थे। स्थानीय लोगों ने अधिकारियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर समय रहते चैंबर को ढका होता और शिकायत पर कार्रवाई हुई होती तो यह हादसा टल सकता था। लोगों ने कंपनी और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

दहेज की मांग और मारपीट में अभियुक्त को दो वर्ष का कारावास

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते दहेज उत्पीड़न के मामले में न्यायालय ने अभियुक्त को दो वर्ष के साधारण कारावास और 12 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। थाना बरसाना में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 231/2014 में धारा 498ए, 323, 506 और 3/4 डीपी एक्ट के तहत अभियोग दर्ज किया गया था। अभियोजन के अनुसार, अभियुक्त द्वारा वादिया से अतिरिक्त दहेज की मांग की गई थी। मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट और उत्पीड़न किया गया। मामले में गुणवत्तापूर्ण विवेचना और लोक अभियोजक की प्रभावी पैरवी के आधार पर सिविल जज सीनियर डिवीजन, छाता, मथुरा ने सात सितंबर को अभियुक्त महेश पुत्र परशुराम निवासी पलसों, थाना गोवर्धन को दोषी करार देते हुए दो वर्ष के कारावास और 12,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

दो अवैध निर्माण सील, प्राधिकरण ने की कार्रवाई

भादल सौख में चार दुकानों का कराया गया था अनधिकृत निर्माण

गोवर्धन में बिना अनुमति संचालित होटल को किया गया सीलबंद

अवैध निर्माण सील करते विप्रा के अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। अनधिकृत निर्माणों के खिलाफ मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण ने कार्रवाई करते हुए सोमवार को दो स्थलों को सीलबंद कर दिया। यह कार्रवाई प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी एन. के निर्देश और सचिव के मार्गदर्शन में की गई। प्राधिकरण के अनुसार राम किशोर ने भादल सौख मथुरा में करीब 200 वर्ग मीटर के भूखंड पर बिना स्वीकृत मानचित्र अथवा अनुमति के सामने की ओर चार दुकानों का व्यावसायिक निर्माण कराया था। मामले में उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम-1973 की धारा 27 (1) के तहत वाद दर्ज कर नोटिस जारी किए गए थे। इसी तरह गोवर्धन में जतीपुरा-गाठोली मार्ग पर अजीत मोहन कौशिक द्वारा करीब 450 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बिना स्वीकृति होटल संचालित किया जा रहा था। मौके पर निर्माण और संचालन से संबंधित कोई स्वीकृत दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। इस मामले में भी प्राधिकरण ने वाद दर्ज किया था। प्राधिकरण सचिव आशीष कुमार के अनुसार, संबंधित पक्षों द्वारा स्वीकृत मानचित्र या आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराने पर दोनों स्थलों को सात सितंबर को सीलबंद कर दिया गया। अवैध निर्माणों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

कोसी में कबड्डी का महाकुंभ, आठ टीमों के बीच रोमांचक जंग शुरू

प्रतियोगिता के दौरान कबड्डी मुकाबला में खिलाड़ी।

यूनिक समय, कोसीकलां। गांगवान सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित 15वीं पुरुष कोसी प्रो-कबड्डी लीग का आगाज सोमवार को बीपीएल नर्सिंग होम के पास, बठैन गेट पर हुआ। प्रो-लीग की तर्ज पर मैट पर शुरू हुई इस प्रतियोगिता में अभी तक आठ टीमों ने भाग लिया है, जिनमें क्षेत्र के साथ बाहर से आई दिग्गज टीमें शामिल हैं।

प्रतियोगिता का शुभारंभ पं. संजय कृष्ण शास्त्री ने गांव बरचावली और भरतपुर राजस्थान के युवा खिलाड़ियों का हाथ मिलवाकर किया। पहले ही मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली, जिसे देख दर्शक झूम उठे। आयोजक सत्यवीर सांगवान ने बताया कि प्रतियोगिता देर रात तक चलेगी और अभी और टीमों के आने की संभावना है। समापन समारोह में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण, विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय और मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी विजेता टीमों को सम्मानित करेंगे। प्रथम पुरस्कार 41 हजार, द्वितीय 21 हजार, तृतीय 11 हजार और चतुर्थ 7,100 रुपये दिया जाएगा।

लाडली जी चिकित्सालय ने पूरा किया सेवा का एक वर्ष

स्वास्थ्य शिविर आयोजन के दौरान मौजूद आयोजक और चिकित्सक आदि।

स्थापना दिवस पर 90 मरीजों का किया नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

जांच के साथ मरीजों को वितरित की गईं मुफ्त दवाएं

यूनिक समय, बरसाना। समाज सेवा के उद्देश्य से संचालित श्री लाडली जी चिकित्सालय ट्रस्ट ने सेवा का एक वर्ष पूरा होने पर प्रथम स्थापना दिवस मनाया। परिक्रमा मार्ग स्थित चिकसोली रोड के चिकित्सालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ होम्योपैथी के जनक डॉ. सैमुअल हैनिमैन के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर किया गया। इसके बाद केक काटकर स्थापना दिवस मनाया गया।

स्थापना दिवस पर ट्रस्ट की ओर से नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया। शिविर में करीब 90 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सकों ने मरीजों की रक्त शर्करा और रक्तचाप की नि:शुल्क जांच की। जांच के बाद मरीजों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया और नि:शुल्क दवाएं वितरित की गईं।

ट्रस्ट की संस्थापक डॉ. मंशा देवी ने बताया कि अपने पिता वैद्य वेदराम शर्मा की प्रेरणा से चिकित्सालय की स्थापना जरूरतमंद लोगों को बेहतर और नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। एक वर्ष से ट्रस्ट लगातार सेवा कार्य में जुटा है। शिविर में डॉ. गोविन्द राम, डॉ. सुरभि मित्तल और फार्मासिस्ट भारत शर्मा ने मरीजों को सेवाएं दीं। मरीजों ने ट्रस्ट की पहल की सराहना की। डॉ. मंशा देवी ने कहा कि सेवा ही उनका धर्म है। क्षेत्रवासियों के सहयोग और विश्वास से सेवा का यह प्रयास आगे बढ़ रहा है। भविष्य में भी जरूरतमंद लोगों तक नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का प्रयास जारी रहेगा। कार्यक्रम में स्वाती शर्मा, आरती बृजेश शर्मा, चेतन शर्मा, फतेराम शर्मा और जगवीर सिंह का विशेष सहयोग रहा।

नेत्र शिविर में 110 मरीजों की जांच

नेत्र शिविर में मौजूद आयोजक और अतिथि।

15 का मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयन

यूनिक समय, वृंदावन। बसेरा ग्रुप के चेयरमैन राम किशन अग्रवाल ने अपने पिता स्व. जयंती प्रसाद अग्रवाल की स्मृति में सोमवार को गोपाल वाटिका में नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन कराया। शुभारंभ राधा-कृष्ण के चित्रपट के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया।

शिविर में चिकित्सकों ने110 मरीजों की नि:शुल्क नेत्र जांच की गई। जांच के बाद मरीजों को नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गईं, जबकि 25 मरीजों को चश्मे भी दिए गए। नेत्र परीक्षण के दौरान 15 मरीज मोतियाबिंद से पीड़ित पाए गए, जिन्हें नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित कर भर्ती किया गया। इस अवसर पर राम किशन अग्रवाल ने कहा कि जरूरतमंद लोगों की सेवा करना समाज के प्रति हमारा नैतिक दायित्व है। वृंदावन सेवा संस्थान के अध्यक्ष लक्ष्मण सर्राफ ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिविर का आयोजन निर्फाद अस्पताल और वृंदावन सेवा संस्थान के सहयोग से किया गया।

पंचायत सचिवालय से कंप्यूटर और दस्तावेज चोरी

यूनिक समय, राया। क्षेत्र की ग्राम पंचायत बीरबल के पंचायत घर में चोरों ने ताला तोड़कर कंप्यूटर, मॉनिटर और अहम दस्तावेज चोरी कर लिए। घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी। ग्राम प्रधान के अनुसार, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच की। चोरों ने कंप्यूटर की केबल भी काट दी और अन्य सामान के साथ छेड़छाड़ की। इस मामले में अजीत सिंह ने चौकी प्रभारी को लिखित शिकायत दी है। पंचायत सचिव अनिल कुमार ने बताया कि यह घटना पांच सितंबर को हुई थी। सचिवालय में अहम कागजात रखे थे। जो कंप्यूटर चोर ले गए हैं, उसमें पंचायत का पूरा डेटा था। चोर स्टेशनरी के साथ-साथ सीसीटीवी कंप्यूटर भी अपने साथ ले गए हैं।